कोटद्वार, बुधवार
22 अक्टूबर 2025
वर्षः 47
अंकः 161 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नगेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

बंदूक उठाते समय चली गोली, पूर्व सैनिक की मौत

काशीपुर। ग्राम हरसान के अस्कोट क्षेत्र में सोमवार को सफाई के लिए बेड के पीछे से बंदूक उठाते समय गोली चलने से एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मौत से परिवार गम में डूबा है। अगले महीने बेटे की शादी होनी है। जानकारी के अनुसार, बरहैनी पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव हरसान के अस्कोट क्षेत्र में भारतीय सेना से सेवानिवृत्त सूबेदार 60 वर्षीय चंचल सिंह बोरा पुत्र रविंदर सिंह बोरा का घर है। उनके बेटे की अगले महीने शादी है, जिसको लेकर घर में साफ–सफाई चल रही है। परिजनों के अनुसार, सोमवार सुबह सभी लोग घर के आंगन में बैठे थे। जबकि चंचल अपने कमरे में रखी अपनी लाइसेंसी डबल बैरल 12 बोर की बंदूक साफ करने की बात कहकर चले गए। इसके बाद बेड के पीछे रखी बंदूक को साफ करने के लिए उठाने लगे। इस बीच, अचानक किसी तरह बंदूक से गोली चल गई, जो उनके सिर में जाकर लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज से घर और पड़ोस में हड़कंप मच गया। जब परिजन कमरे में पहुंचे तो उनको लहूलुहान हालत में पड़ा देखा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। बरहैनी चौकी इंचार्ज संदीप शर्मा ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद वह टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे थे। उन्होंने मौके से लाइसेंसी बंदूक को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

संदिग्ध हालत में मिला युवक का शव

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत शारदानाथ घाट पर अलकनंदा नदी किनारे संदिग्ध हालत में मिले युवक के शव को लेकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस पूरे मामले को प्रथमदृष्टया आत्महत्या मानकर चल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अक्तूबर को रुद्रप्रयाग के जखोली ब्लॉक का रहने वाला 24 वर्षीय अजीत रुदियाल पुत्र राजेंद्र रुदियाल देहरादून से अपनी स्कूटी से घर जा रहा था और श्रीनगर पेट्रोल पंप के पास उसकी एक वाहन के साथ टक्कर हो गयी। इसी दौरान वाहन चालक ने पुलिस प्रशासन को मौके पर बुला दिया। पुलिस ने दोनों के बीच समझौता करवा लिया था, जिसके बाद दोनों ही अपने-अपने गंतव्य के लिए निकल पड़े। जब अजीत घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने 19 अक्तूबर को श्रीनगर कोतवाली में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने युवक की खोजबीन शुरू की और नगर क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो युवक शा-रदानाथ घाट की ओर जाते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने युवक का शव शारदानाथ घाट से बरामद किया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगामी कार्यवाही की जायेगी। पुलिस की ओर से पूरे मामले की जांच की जा रही है। (एजेंसी)

समाधि पूजा के बाद बंद हो जाएंगे बाबा केदार के कपाट

रुद्रप्रयाग। भगवान केदारनाथ धाम के कपाट कल 23 अक्तूबर को भैया दूज के दिन बंद हो जाएंगे। इसके लिए बदरी–केदार मंदिर समिति द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह समाधि पूजा के बाद विधि–विधान से कपाट बंद कर डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान करेगी। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट भैया दूज पर सुबह 8:30 मिटन पर बंद होंगे। इससे पहले भगवान शिव की समाधि पूजा की जाएगी। बदरी–केदार मंदिर समिति के अनुसार मध्य रात्रि से सुबह 4 बजे तक आम भक्त दर्शन करेंगे। जबकि एक घंटा मंदिर की सफाई की जाएगी। इसके बाद पुनः 5 बजे से 6 बजे तक भगवान की समाधि पूजा की जाएगी। जिसमें बाबा केदार के स्वयंभू लिंग को भस्म, अनाज, फल, फूल, रुद्राक्ष, सफेद कपड़ा आदि से ढक दिया जाएगा। इसके बाद ठीक 6 बजे गर्भ गृह का द्वार बंद किया जाएगा। जबकि सुबह साढ़े 8 बजे परम्परानुसार पूर्वी द्वार (मुख्य द्वार) बंद कर दिया जाएगा।

पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण के लिए दिए जाएंगे प्रतिवर्ष 100 करोड़ : धामी

राज्य स्थापना की वर्षगाठ पर पुलिस के समस्त कार्मिकों को मिलेगा एक विशेष रजत जयंती पदक

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को पुलिस लाइन, देहरादून में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस एवं अर्द्ध सैन्य बलों के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के सुअवसर पर उत्तराखण्ड पुलिस के समस्त कार्मिकों को एक विशेष रजत जयंती पदक प्रदान किए जाने, आगामी 3 वर्षों में पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु प्रतिवर्ष 100 करोड़ रुपए की धनराशि दी जाने, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु पुलिस कल्याण निधि के अन्तर्गत वर्तमान में प्रावधानित ढाई करोड़ रुपए की धनराशि को पुनरीक्षित करते हुए आगामी एक वर्ष के लिए साढ़े चार करोड़ रुपए किए जाने एवं भवाली, नैनीताल, ढालमल्ला, काण्डा, बागेश्वर, नैनीडांडा, धुमाकोट, पौड़ी, घनसाली, टिहरी, सतपुली और पौड़ी में एसडीआरएफ के जवानों हेतु 5 बैरकों का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों के पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों के जवानों पर है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए बीते एक वर्ष में, संपूर्ण भारत में 186 अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के 4 वीर सपूत भी शामिल हैं। सभी वीर बलिदानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद हैं, उनका बलिदान हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की पुलिस व्यवस्था को और भी अधिक सक्षम और संसाधन युक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार, पुलिस बल के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक भवनों के साथ 688 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य गतिमान है। शीघ्र ही हम 120 नए आवासों का निर्माण भी प्रारंभ करने जा रहे हैं। सरकार ने स्मार्ट पुलिसिंग की परिकल्पना को साकार करने के लिए जवानों के बैरक मैस और कार्यस्थलों के अपग्रेडेशन के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई है। सरकार ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए अब तक 5 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। सरकार स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत समस्त पुलिस कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करा रही है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक खजान दास, बृजभूषण गैरोला, श्रीमती सविता कपूर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, पूर्व मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, पूर्व डीजीपी अनिल रतूड़ी एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को किया समयबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को समयबद्ध किया गया है। इस वर्ष 356 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों में पदोन्नत किए गए हैं। विभिन्न श्रेणी के 115 रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए भी कार्यवाही गतिमान है जिन्हे शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इस वर्ष हमारे 215 कर्मियों को विशिष्ट कार्य एवं सेवा के लिए विभिन्न पदक एवं सम्मान चिन्हों से अलंकृत किया गया है। राज्य सरकार पुलिस कर्मियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की दिशा में भी लगातार काम कर रही है। प्रशिक्षण संस्थानों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रहे हैं। पीटीसी नरेंद्र नगर को सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा पुलिस कर्मियों के वेतन, भत्ते, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, और अवकाश से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है। सरकार ने आपदा राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसडीआरएफ की एक नई कंपनी की भी स्वीकृति प्रदान की है, जिसके तहत 162 नए पदों का सृजन किया गया है।

आज बंद होंगे गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट बुधवार को अन्नकूट के पावन पर्व पर सुबह 11:36 बजे शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। जबकि यमुनोत्री धाम के कपाट अगले दिन 23 अक्तूबर को भैयादूज के अवसर पर बंद होंगे। श्री पांच गंगोत्री मंदिर समिति व तीर्थ पुरोहितों ने गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तैयारी शुरू कर दी है। बुधवार को गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट पर्व पर अभिजीत मुहूर्त में सुबह 11 बजकर 36 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद किए जाएंगे। उसके बाद मां गंगा की विग्रह डोली भोगमूर्ति, आर्मी बैंड और स्थानीय वाद्य यंत्रों के साथ शीतकालीन प्रवास मुखबा गांव के लिए रवाना होगी। डोली रात्रि विश्राम मुखबा गांव से करीब दो किमी पहले मार्कंडेय मंदिर में करेगी और अगले दिन 23 अक्तूबर के मुखबा गांव पहुंचेगी। जहां आगामी शीतकाल के 6 माह तक श्रद्धालु मां गंगा के दर्शन कर पायेंगे। वहीं दूसरी ओर यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज पर्व पर गुरुवार 23 अक्टूबर को विधि–विधान धन लग्न अमृत बेला पर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट पर शीतकाल के लिए बंद किए जाएंगे। इसके बाद अगले 6 माह शीतकाल में मां यमुना के दर्शन उनके मायके खरसाली गांव में स्थित यमुना मंदिर में होंगे। कपाट बंद होने से पूर्व गुरुवार सुबह मां यमुना के भाई सोमेश्वर महाराज शनिदेव की डोली यमुनोत्री धाम अपनी बहन को लेने के लिए रवाना होगी।

गंगोत्री, यमुनोत्री धाम पहुंचे 14 लाख से अधिक श्रद्धालु

उत्तरकाशी। गत 30 अप्रैल को गंगोत्री, यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक 14 लाख से अधिक तीर्थयात्री रदर्शन कर चुके हैं। यहां गंगोत्री धाम में 7,57,010 तथा यमुनोत्री धाम में 6,44,208 तीर्थ यात्री धामों के दर्शन को पहुंचे हैं।

उत्तराखंड में दीवाली की रात आग लगने की 66 घटनाएं

देहरादून। उत्तराखंड में दीपावली की रात आग लगने की 66 घटनाएं हुईं। गनीमत रही की किसी भी घटना में जान–माल का ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। दमकल विभाग ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। मुख्यालय फायर सर्विस उत्तराखंड के अनुसार, पिछले साल 2024 की तुलना में आगजनी की घटनाएं कम हुईं हैं। इस वर्ष राज्यभर में 129 स्थानों पर फायर यूनिटों को विशेष रूप से तैनात किया गया, जिससे किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकी। इससे पहले जन–जागरूकता अभियान चलाए गए, सोशल मीडिया और जनसम्पर्क के माध्यम से लोगों को बचाव की जानकारी दी गई। देहरादून नगर और उसके आसपास के क्षेत्रों में दीपावली की रात सर्वाधिक घटनाएं दर्ज हुई। यहां कुल 12 घटनाओं में घर, दुकान, वाहन, कबाड़ और बिजली के पोलों पर आग लगई। इसमें धर्मावाला की दुकान, निरंजनपुर मंडी की छत पर रखे सामान में आग, हरभज मेहूंवाला, चंद्रबनी में कबाड़ में आग, सरस्वती विहार में घर, कार में आग, राजीव नगर में इलेक्ट्रिक फायर, ओल्ड राजपुर रोड पर पेड़ में आग शामिल रही। उधर, विकासनगर में डाकपत्थर, विनोद बिहार क्षेत्र में दो घटनाओं पर दमकल विभाग ने राहत बचाव किया। ऋषिकेश में सात घटनाएं हुईं। डोईवाला में आतिशबाजी से दो छोटी दुकानों में आग की सूचना मिली। रुड़की फायर स्टेशन द्वारा विद्युत पोल, घर के मंदिर में लगी आग पर नियंत्रण पाया। मायापुर फायर स्टेशन द्वारा ज्वालापुर क्षेत्र में कबाड़ के गोदाम, खंडहर, वाहन में लगी चार आग की घटनाओं पर कार्रवाई की। भगवानपुर फायर स्टेशन क्षेत्र में स्थित बजाज संस लिमिटेड फैक्ट्री के ट्रीटमेंट एरिया में लगी बड़ी आग पर दो यूनिटों द्वारा संयुक्त प्रयास से नियंत्रण प्राप्त किया गया। सिब्बुनगर, कोटद्वार स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लगने की सूचना पर विभाग ने आग पर नियंत्रण पाया। आग से रेस्टोरेंट में डी–फ्रीज, काउंटर, कुर्सियां,टेबल, कंप्यूटर, कूलर, सोफे, पंखे, सीसीटीवी, नगदी आदि सामग्री जलकर नष्ट हो गई। हल्द्वानी में तीन घटनाएं विभाग के अनुसार, नैनीताल में मोहनको के पास दुकानों में आग की घटना पर फायर यूनिटों ने नियंत्रण पाया। आग की चपेट में आने से कुछ भवन बच गए। हल्द्वानी में जेके पुरम, आरटीओ रोड, बृज विहार में तीन छोटी घटनाओं पर स्थानीय सहयोग से आग पर नियंत्रण किया गया।

पर्यटकों ने होमस्टे मालिक पर लगाया मारपीट का आरोप

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद के अंतर्गत पर्यटन स्थल चोपता में स्थित बंकर हाउस होमस्टे में विदेशी पर्यटकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पर्यटकों ने होमस्टे मालिक पर मारपीट का आरोप लगाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, थाना ऊखीमठ क्षेत्रांतर्गत चोपता पर्यटक स्थल में स्थित बंकर हाउस होमस्टे में अरविंद दास निवासी झारखंड के माध्यम से स्लोवाक रिपब्लिक, रिपब्लिक माल्टा, इटली के 12 विदेशी नागरिक, तीन भारतीय सहित 15 लोग 17 अक्तूबर से मेक माय ट्रिप ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से आकर रुके हुए थे। विदित हुआ है कि मंगलवार को होमस्टे से जाने के दौरान होमस्टे के मालिक राकेश तनेजा द्वारा गाइड झारखंड निवासी संदीप कुमार व अरविंद दास से 17 अक्तूबर से होमस्टे में ठहरने व खाने के बिल 10000 रुपये की मांग की गई। इसी बात को लेकर उनमें विवाद हो गया। विदेशी नागरिक वहां से वाहन से गोपेश्वर के मंडल क्षेत्र में पहुंचे। ट्रैवल एजेंट संदीप कुमार ने मंडल में पुलिस चौकी प्रभारी विपिन त्यागी से उनके साथ होमस्टे मालिक द्वारा मारपीट किए जाने की सूचना दी गई। उनके वाहन के शीशे भी तोड़े गए हैं, जिससे विदेशी महिलाओं पर भी शीशे चटकने से खरोचें आई हैं। ट्रैवल एजेंट ने उनके पैसे व कीमती सामान छीनने के आरोप भी लगाए गए। ट्रैवल एजेंट/गाइड और विदेशी नागरिक गोपेश्वर चमोली पहुंच गए थे, जिनको पुलिस की देखरेख में वापस मंडल होते हुए ऊखीमठ ले जाया जा रहा है। पुलिस की ओर से सत्यता और अग्रिम कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

मौसमपूर्वानुमानः इन जिलों में आज और कल मौसम रहेगा खराब

बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के अलग–अलग हिस्सों में दो दिन गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग की मानें तो कल यानी 22 अक्टूबर को उत्तराखंड के कुछ जिलों में मौसम ज्यादा खराब रहने का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के चलते उत्तराखंड के मौसम में यह बदलाव आएगा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान उत्तरकाशी, देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। यही नहीं 3500 मीटर से अधिक उंचाई वाले कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी भी होने की संभावना मौसम विभाग की ओर से जताई गई है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 22 अक्टूबर को उत्तराखंड के उत्तरकाशी, देहरादून, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ ही हल्की बारिश होने की संभावना है। इतना नहीं मौसम विभाग की ओर से 3500 मीटर से अधिक उंचाई वाले कुछ स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की संभावना जताई है। उत्तराखंड के बाकी जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसके बाद मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने 21 अक्टूबर को हिमाचल प्रदेश के उंचाई वाले कुछ स्थानों पर जबकि 22 और 23 अक्टूबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने की संभावना जताई है। खासतौर पर 21 अक्टूबर को चंबा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने का येलो अलर्ट जारी किया है। देश के अन्य हिस्सों की बात करें तो दक्षिण–पूर्व अरब सागर पर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। दक्षिण–पश्चिम बंगाल की खाड़ी पर भी एक निम्न दबाव का क्षेत्र एक्टिव है। इन वेदर सिस्टम की वजह से 21 से 24 अक्टूबर के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कई स्थानों पर तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश देखी जा सकती है। 21 से 27 अक्टूबर के दौरान केरल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और 23 से 25 अक्टूबर के दौरान तेलंगाना जबकि 21 से 23 अक्टूबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में जोरदार बारिश देखी जा सकती है। 21 से 27 अक्टूबर के दौरान ओडिशा में जबकि 21 से 25 अक्टूबर के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में मौसम खराब रहने की चेतावनी जारी की गई है।

जिंदगी दांव पर लगा पर पटाखे जलाने का अधिकार,

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर किसने उठाए सवाल

नई दिल्ली। दीपावली के बाद दिल्ली में गहराए एयर पॉल्यूशन को लेकर आवाज उठने लगी है। अब पूर्व आईएएस अमिताभ कांत ने सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की एयर क्वॉलिटी बेहद खराब हाल में है। केवल कड़े ऐक्शन से ही इस पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है तो फिर दिल्ली को स्वास्थ्य और पर्यावरणीय आपदा का सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल उठाया। अमिताभ कांत ने कहा कि शीर्ष अदालत ने जिंदगी और सांस के अधिकार पर पटाखे जलाने के अधिकार को प्राथमिकता दी।

बता दें कि अमिताभ कांत, भारत में 2023 जी 20 शिखर सम्मेलन के शेरपा रह चुके हैं। इसके अलावा वह केंद्र के थिंक टैंक नीति आयोग के पूर्व सीईओ भी रहे हैं। गौरतलब है कि दीपावली की रात जमकर पटाखे फोड़े गए। इसके बाद अगली सुबह दिल्ली–एनसीआर जहरीली हवा की चपेट में देखा गया। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक दिल्ली में रात एक बजे एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 357 था। यह बेहद खराब आंकड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने हटाई थी पाबंदी

इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में पटाखे फोड़ने से पाबंदी हटा दी थी। साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा था कि दिल्ली के लोग ग्रीन पटाखे जला सकते हैं। अदालत ने कहा कि वह मामले में संतुलित नजरिया अपना रही है। कोर्ट ने विरोधाभासी हितों को ध्यान में रखते हुए सीमित अनुमति देने की बात कही थी, साथ ही पर्यावरणीय चिंताओं से समझौता न करने के लिए भी कहा था।

अमिताभ कांत ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बदहाल है। 36 में से 38 निगरानी स्टेशन रेड जोन में पहुंच चुके हैं। प्रमुख क्षेत्रों में अदक 400 से ऊपर है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अपने विवेक से जीने और सांस लेने के अधिकार के बजाय पटाखे जलाने के अधिकार को प्राथमिकता दी है। दिल्ली दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी में बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने दो दिनों तक सुबह 6–7 बजे से लेकर रात 8–10 बजे तक पटाखे जलाने की इजाजत दी थी। हालांकि दिल्ली–एनसीआर के कई इलाकों में आधी रात के बाद तक पटाखे जलाए जाते रहे।

ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का किया समर्थन

तेलंगाना। तेलंगाना के जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में एआईएमआई एम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन किया है। उन्होंने अपनी पार्टी का कैंडिडेट मैदान में नहीं उतारने का फैसला लिया। इसे लेकर ओवैसी से सवाल किया गया कि बिहार में आप कांग्रेस को हराने की बात कर रहे हैं और यहां उसका समर्थन क्यों कर रहे हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'यह अच्छा सवाल है। बिहार में अख्तरुल इमान साहब और एआईएमआई एम पार्टी ने लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा। खरगे साहब को पत्र लिखा। सीपीआई एम एल के नेता और सीपीआई को पत्र लिखा गया। हमने क्या लिखा? खरगे साहब को चिट्ठी लिखी, तेजस्वी यादव को पत्र लिखा और 6 सीटें देने को कहा था।'

जुबली हिल्स उपचुनाव को लेकर ओवैसी ने कहा कि यहां सरकार बनानी है। उपचुनाव की एक सीट को बिहार की 200 से ज्यादा विधानसभा सीटों से तुलना नहीं करनी चाहिए। हमने पत्र लिखे, लेकिन कोई सहमत नहीं हुआ। इसलिए हम चुनाव लड़ेंगे। हमारे 5 विधायक वहां पर कामयाब हो चुके हैं।

डेढ़ कुंतल प्रतिबंधित मांस बरामद, आरोपी मौके से फरार

देहरादून। थाना क्षेत्र के आनंद विहार कॉलोनी के पास खेत में सोमवार को पुलिस ने छापा मारकर अवैध पशु कटान का मामला पकड़ा। आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने 150 किलो प्रतिबंधित मांस, कटान के उपकरण बरामद किए हैं। मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। थानाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने बताया कि सोमवार देर रात 10:45 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि आनंद विहार कॉलोनी के पास खेत में संरक्षित पशु का कटान किया जा रहा है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर कटान कर रहे लोग अंधेरा का फायदा उठाकर खेत की ओर भाग गए।

मौके से 150 किलो प्रतिबंधित मांस और कटान के औजार बरामद हुए। मौके पर पहुंचीं पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.निशांत सैनी ने मांस की जांच के बाद प्रतिबंधित होने की पुष्टि की।

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार को लेकर एक्शन में केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को उन ठेकेदारों और थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसियों का विवरण साझा करने का निर्देश दिया है, जिन पर जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत जुर्माना लगाया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल और स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के निर्देश का हिस्सा है, जिसमें मुख्य सचिवों से व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है।

केंद्र ने राज्यों से मांगा ठेकेदारों का ब्यौरा

जिन ठेकेदारों और निरीक्षण एजेंसियों के खिलाफ जुर्माना लगाया गया है, ब्लैक लिस्ट में डालने के आदेश जारी किए गए हैं या जेजेएम के तहत अनियमितताओं के लिए जुर्माना लगाया गया है, उन्हें सूची में शामिलकिया जाएगा। डीडीडब्ल्यूएस ने सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग (पीएचईडी) के अधिकारियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी भी मांगी है, जिसमें घटिया काम या धन के दुरुपयोग की शिकायतों के संबंधमें निलंबन, निष्कासन और प्राथमिकी दर्ज करना शामिल है।

भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई का निर्देश

राज्यों से कहा गया है कि वे प्रत्येक मामले का एक पृष्ठ का सारांश उपलब्ध कराएं जिनमें प्राथमिकी दर्ज की गई है। परियोजनाओं में दोहरी प्रविष्टियों, देरी, कार्यान्वयन न होने या जरूरत से ज्यादा डिजाइनिंग की पुष्टि के लिए "ग्राउंडट्रुथिंग" के माध्यम से डाटा की समीक्षा करने को भी कहा गया है।

भ्रष्टाचार पर रोक लगाने वाले लोकपाल करेंगे 70 लाख वाली बीएमडब्लू की सवारी

नई दिल्ली। सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार की जांच करने वाले लोकपाल के अध्यक्ष और सदस्य अब 70 लाख रुपये की कीमत वाली बीएमडब्लू से चलेंगे। लोकपाल की तरफ से इसका बाकायदा टेंडर जारी किया गया है। टेंडर में कहा गया है कि इटह 3 रीश्रीर 330 छ्र मॉडल की सात कारों की जरूरत है। लोकपाल के अध्यक्ष और सभी सदस्यों के लिए बीएमडब्लू खरीदने की योजना है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बीएमडब्लू से लोकपाल के ड्राइवर और स्टाफ को ट्रेनिंग भी दिलवाई जाएगी। उन्हें कार के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और ऑपरेशन के बारे में सात दिन का कोर्स करवाया जाएगा। 16 अक्टूबर को ही यह टेंडर जारी किया गया था। टेंडर नोटिस के मुताबिक यह ऑफर अगले 90 दिनों तक वैलिड रहेगा। वहीं लोकपाल के इस टेंडर के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। जानेमाने ऐक्टिविस्ट और वकील प्रशांत भूषण ने भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच करने वाली संस्था पर सवाल उठाए हैं। भूषण ने कहा कि लोकपाल के सदस्यों को किसी चीज से मतलब नहीं बस वे अपनी सुविधाओं में ही खुश हैं। अब वे अपने लिए 70 लाख की बीएमडब्लू खरीदने वाले हैं।

उन्होंने कहा, पहले तो कई सालों तक नियुक्ति ही नहीं हुई और फिर जब नियुक्ति हुई तो अपने ही लोगों को बैठा दिया गया। अब ये लोग अपनी लग्जरी के साथ खुश हैं। कांग्रेस के युवा मोर्चा का कहना है कि लोकपाल जैसी संस्था की विश्वसनीयता खत्म की जा रही है। अब सरकार उनके लिए विदेशी महंगी कारें खरीद रही है। वहीं सोशल मीडिया पर एक यूजर ने तंज भी किया। उसने कहा कि ये लोग तो केवल बीएमडब्लू खरीद रहे हैं। अगर चाहते तो 12 करोड़ की रॉल्स रायस भी खरीद सकते थे।

जम्मू के जंगलों में छिपे आतंकवादियों को मार गिराने के लिए प्रयास जारी

जम्मू। जम्मू संभाग में हर दिन 100 से अधिक आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जाते हैं। शीर्ष पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह दावा किया और कहा कि घने जंगलों में विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी बड़ी चुनौती बनी हुई है और उन्हें मार गिराने के लिए प्रयास जारी है। जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने देश की खातिर अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर कर्मियों को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर याद किया। जम्मू रेलवे स्टेशन के पास पुलिस शहीद स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। यह दिवस केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उन 10 बहादुर शहीदों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को अपना कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने 4681 मीटर की उंचाई पर लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों की ओर से घात लगाकर किए गए हमले में अपने प्राणों की आहुति दी थी। जम्मू पुलिस प्रमुख ने आरएनएस से बातचीत में कहा, ह्यपिछले 2 साल से विदेशी आतंकवादी एक बड़ी चुनौती रहे हैं। हम अपने आतंकवाद–रोधी अभियान और सीमा सुरक्षा तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि जल्द हम जंगलों में छिपे विदेशी आतंकवादियों से निपटने और उन्हें मार गिराने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू क्षेत्र में हर दिन लगभग 120 आतंकवाद–रोधी अभियान चलाए जाते हैं। उन्होंने कहा, ह्यहर हमारा दैनिक कर्तव्य है। चाहे वह कोई काल्पनिक अभियान हो या सटीक सूचना–आधारित अभियान, यह निरंतर जारी रहता है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ना उनके कर्तव्यों का अहम हिस्सा है।

सम्पादकीय

सड़कों पर अराजकता

राज्य गठन के बाद से ही उत्तराखंड में बाहरी लोगों की तादाद में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली है। जिसका असर यहां के भौगोलिक संतुलन और सामाजिक व्यवस्था में भी देखने को मिला। आज जिस प्रकार से प्रदेश भर में मारपीट फायरिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों के प्रकरण सामने आते हैं उससे लगता है कहीं ना कहीं प्रदेश की डेमोग्राफी बिगड़ी हुई नजर आ रही है। प्रदेश की राजधानी देहरादून में तो आए दिन फायरिंग की घटनाएं अब आम होती है। बात–बात पर यहां फायरिंग कर देना एक सामान्य बात हो चुकी है। अभी हाल ही में दो पक्षों के बीच समझौता होने के बावजूद अस्पताल के बाहर गोली चला दी गई जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इससे पहले भी विभिन्न पार्टियों एवं सड़कों पर आपसी विवाद में गोलियां चलने की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। स्पष्ट तौर पर बाहरी लोगों के आने के साथ ही देहरादून की सामाजिक आबो हवा में भी व्यापक तौर पर परिवर्तन हुआ है और यहां अपराधिक घटनाएं अब आम होने लगी है। इसका एक मुख्य कारण राजधानी देहरादून में खुले विभिन्न शैक्षिक संस्थान है जहां पढ़ाई के नाम पर मौज मस्ती, अय्याशी और नशाखोरी पूरे चरम पर चलती है। छात्रों के गुट बने हुए हैं जो एक दूसरे को सबक सिखाने पर आमादा है। फायरिंग की कई घटनाओं के बाद पुलिस को भी काफी भागदौड़ करनी पड़ी है और गिरफ्तारी अभी की गई है लेकिन चिंता की बात यह है कि सरेराह इस प्रकार की घटनाएं थमती हुई नजर नहीं आ रही है। राजधानी देहरादून में तो शराबखोरी एक ऐसा अभिशाप बन गई है जो शाम ढलने के साथ ही विभिन्न सड़कों, होटल, ढाबों एवं बार से निकलकर सड़कों में हंगामे का रूप ले लेती है। राजधानी की सड़के अराजकता एवं मारपीट का अड्डा बन चुकी है और इनमें अधिकांश उन लोगों की भागीदारी अधिक नजर आई है जो यहां के रहने वाले नहीं है। राजधानी के सुरक्षा तंत्र को पटरी पर लाने के लिए व्यापक सुधार की जरूरत है और यह तभी संभव होगा जब पुलिस हंगामा करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। अक्सर छात्रों को पुलिस उनके भविष्य को ध्यान में रखते हुए नरम रवैया अपना आती है जिससे इन लोगों के हौसले और अधिक बुलंद होते चले जाते हैं। फायरिंग की घटनाएं होना एक चिंता का कारण है और यहां पुलिस को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे लोगों के शस्त्रों के लाइसेंस निरस्त करने के साथ–साथ उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। रहमदिली करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला है और यदि वाकई उत्तराखंड में अपराधिक घटनाओं पर रोकथाम लगानी है तो कहीं ना कहीं थोड़ा सा सख्त रवैया राज्य पुलिस को अपनाना ही होगा। खास तौर से जब तक नशाखोरी पर रोकथाम लगाने में पुलिस को सफलता नहीं मिलेगी तब तक इस प्रकार की अराजकता सड़कों पर होती रहेगी। देवभूमि के अनुरूप राज्य में रहने वाले लोगों का आचरण होना चाहिए और इसमें यदि किसी भी प्रकार की कोताही बरती जाती है तो उसे सहनशीलता से परे रखना होगा। यहां उन शैक्षिक संस्थानों की भूमिका भी सुनिश्चित करनी होगी जिनके छात्र आए दिन सड़कों पर अराजकता में संलिप्त पाए जाते हैं।

ओवैसी की मोदी–मुहम्मद तुलना

शंकर शरण

ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछाः अगर हम 'आई लव मुहम्मदइ का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है? इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू।जैसा तसलीमा ने कहाः कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।ज

गत 2 अक्तूबर को हैदराबाद में एम.आई.एम. नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहाः इस देश में 'आई लव मोदीइ तो बोल सकते हैं, लेकिन 'आई लव मुहम्मदइ नहीं बोल सकते। आप इस देश को कहाँ ले जा रहे हैं? यदि कोई कहे 'आई लव मोदीइ तो मीडिया वाले भी खुश हो जाएंगे। मगर कोई 'आई लव मुहम्मदइ बोले तो कहेंगे यह ठीक नहीं है।

निस्संदेह, प्रत्येक व्यक्ति को मोदी ही नहीं बल्कि मुहम्मद से भी मुहब्बत जताने की आजादी है। इसमें विवाद नहीं। पर यह तुलना गलत है। 'मुहम्मद से मुहब्बतइ की उचित तुलना मोदी नहीं, बल्कि तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी होते। क्या सब को तसलीमा नसरीन से भी वही मुहब्बत दर्शाने, 'आई लव तसलीमाइ के पोस्टर लगाने की आजादी होनी चाहिए या नहीं? विशेषकर मुसलमानों को?

इस्लामी मूल ग्रंथों के अध्ययन करके, मुहम्मद के जीवन और कार्य के अनेक उदाहरण देकर अपने मार्मिक निबंध 'बिकॉज ऑफ रिलीजनइ (2003) में तसलीमा इस निष्कर्ष पर पहुँचीं: मुहम्मद ने कुरान अपने स्वार्थ के लिए, अपनी सुविधा के लिए, अपने सुख के लिए लिखी थी। सो, इस्लाम का इतिहास जान कर वह उस से उदासीन हो गईं।

इसलिए सही तुलना यह होतीः कि जैसे मोदी या मुहम्मद से प्रेम करने का अधिकार सभी भारतवासियों को है, वैसे ही मोदी और मुहम्मद की आलोचना करने का भी सब को अधिकार है। जैसा तसलीमा ने कहाः कोई व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं – न कोई मनुष्य, न कोई संत, न कोई मसीहा, न कोई प्रोफेट, न कोई गॉड। संसार को बेहतर बनाने के लिए आलोचनात्मक परीक्षण आवश्यक है।

अतः जब तक हर भारतवासी यह बात रखने के अधिकार को भी स्वीकार नहीं करे, तब तक केवल मोदी या मुहम्मद पर केंद्रित रहना एकतरफा शिकायत होगी। ऐसा अधिकार कोई नहीं रख सकता जिस से वह दूसरों को वंचित करना चाहे। यदि ओवैसी किसी व्यक्ति या विचार से प्रेम रखने का अधिकार माँगते हैं, तो उन्हें समान रूप से स्वीकार करना होगा कि दूसरों को उसी व्यक्ति या विचार को नापसंद करने का भी अधिकार है। अन्यथा वह अपनी पसंद दूसरों पर थोपना हो जाएगा। चाहे वह मोदी हों या मुहम्मद।

अभिव्यक्ति स्वतंत्रता एकतरफा नहीं हो सकती। वह भी एक ही विषय पर। जैसे, अभी 'आई लव मुहम्मदइ विषय है। यहाँ 'आई डोन्ट लव मुहम्मदइ भी कहने का वही खुला अधिकार होना चाहिए। मोदी या मुहम्मद, उन के बारे में केवल मीठी बातें कहने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। महान लेखक जॉर्ज ऑरवेल की उक्ति प्रसिद्ध हैः यदि स्वतंत्रता का कोई अर्थ है तो यही है कि लोगों को वह बात कहने का अधिकार हो जिसे वे सुनना नहीं चाहते। यानी, असुविधाजनक सत्य।

यही उक्ति 'आई लव मुहम्मदइ को सही परिप्रेक्ष्य में रखती है। इस का सर्वाधिक उपयुक्त आधार मुहम्मद की प्रमाणिक जीवनी, सीरा है। (इब्न इशाक का 'सीरते रसूल अल्लाहइ, अंग्रेजी अनु. 'द लाइफ ऑफ मुहम्मदइ)। यह सर्व–प्रमाणिक ग्रंथ मुहम्मद के कथनों और कार्यों के विवरणों से भरा है। उसे पढ़कर असंख्य पाठक मुहम्मद के अनेक विचारों और कार्यों को प्रेम करने योग्य नहीं पा सकते। तसलीमा केवल उदाहरण हैं।

उस के अलावा भी अनेक महत्वपूर्ण प्रश्न है – विशेषकर गैर–मुसलमानों (काफिरों) के प्रति मुहम्मद के राजनीतिक निर्देश। जो न्यायोचित मूल्यांकन की माँग करते हैं। इसलिए भी, क्योंकि विश्वभर में असंख्य मुस्लिम नेता, जहाँ भी उन्हें शक्ति या अवसर मिलता है, उन्हीं निर्देशों को लागू करने का प्रयास करते हैं। इसके अनेक उदाहरण भारत समेत दुनिया भर में हैं, जहाँ गैर–मुस्लिमों को उन निर्देशों की पीड़ा झेलनी पड़ती है। कश्मीरी पंडित और बंगाली हिन्दू तो वर्तमान उदाहरण हैं। पर मुहम्मद के उन निर्देशों के परीक्षण, मूल्यांकन को अधिकांश नेता दबाने की प्रवृत्ति रखते है।

जैसे अभी ओवैसी कर रहे हैं, वे मुहम्मद से मुहब्बत की वैधता पर बल देते हैं, परंतु उन की आलोचना की उसी वैधता से इनकार करते हैं। यही असली समस्या है। इसे किसी समुदाय का 'फेथइ बताकर सुलझाया नहीं जा सकता। क्योंकि ठीक उलटे फेथ और समुदाय भी हैं। बुतशिकनी ही नहीं, बुतपरस्ती भी फेथ है। तब कैसे फैसला होगा?

इसलिए मानवता की दो आचार–संहिता नहीं हो सकती, जैसे एक मानव शरीर में दो हृदय नहीं रह सकते। मानवता का भाग होने के नाते मुसलमानों को वह स्वर्णिम नियम मानना होगा जो सभी मनुष्यों पर लागू हैः दूसरों के साथ वैसा ही करो जैसा तुम चाहते हो कि वे तुम्हारे साथ करें।

इसलिए, एक ओवैसी को भी सहजता से उस स्वर्णिम नियम का पालन करना चाहिए जैसा तसलीमा नसरीन या सलमान रुश्दी करते हैं। किंतु राजनीतिक, कानूनी और नैतिक विषयों की एक पूरी श्रृंखला है, जिस पर अधिकांश मुस्लिम नेता विशेषाधिकार का अंदाज रखते हैं। वे अपने लिए ऊँचा और दूसरे के लिए नीचा व्यवहार रखते हैं – कानून ही नहीं, मानवीय नैतिकता से भी ऊपर। वे अन्य धर्मों और धर्म समुदायों के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हैं। उन्हें 'कुफ्रइ और उनके अनुयायियों को 'काफिरइ कह कर। पूरी इस्लामी शब्दावली में इससे अधिक घृणित शब्द दूसरा नहीं! यह दिखाने के लिए अकेले कुरान ही काफी है। पर काफिरों को इस्लाम की आलोचना करने देने की स्वतंत्रता से अधिकांश मुस्लिम नेता इनकार करते हैं। कानूनी ही नहीं, नैतिक आधार पर भी!

यही सारी दुनिया में इस्लाम की मूल समस्या है। ओवैसी की एकतरफा शिकायत उसी का ताजा नमूना है। वे अपनी आजादी चाहते हैं, पर तसलीमा की छीनना चाहते हैं। तसलीमा या रुश्दी जैसे मुसलमानों की जान पर भी हमले होते हैं। क्योंकि वे मुहम्मद के बारे में असुविधाजनक लगने वाले तथ्य सामने लाते हैं। यह दो मापदंड एक मानव समाज कब तक झेल पाएगा? मुस्लिम नेताओं को इस प्रश्न का सामना करना बाकी है इसीलिए, 'मुहम्मद से मुहब्बतइ के सामने 'मोदी से मुहब्बतइ रखना गलत और भ्रामक है। वास्तविक तुलना 'मुहम्मद से मुहब्बतइ और 'रुश्दी से मुहब्बतइ की होनी चाहिए। दोनों मनुष्य हैं। चाहे, ऐतिहासिक ही सही।

वस्तुतः मुहम्मद के ही सन्दर्भ में रुश्दी भी एक ऐतिहासिक हस्ती बन चुके हैं। उन्होंने कुरान की 'शैतानी आयतोंइ के असुविधाजनक प्रश्न को केंद्र में ला दिया। जो इस्लाम में शुरू से मौजूद रहा है। रुश्दी द्वारा दिए गये तथ्य मूल इस्लामी स्रोतों से ही लिए गये हैं। रुश्दी ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में इस्लाम का भी विशेष अध्ययन किया था।

वास्तव में, रुश्दी के विरुद्ध खुमैनी के फतवे ने उस प्रश्न को हजार गुना अधिक प्रचारित कर दिया जिसे रुश्दी ने परोक्ष रूप से उठाया था। परंतु वह फतवा, और हालिया हमला जिसमें रुश्दी अपंग हो गए, उस प्रश्न को खत्म न कर सका! ईमामों, अयातुल्लाओं और मुस्लिम नेताओं, संगठनों, तंजीमों की पूरी फौज भी रुश्दी द्वारा उठाए गए उस एक मासूम सवाल का जवाब नहीं दे सकी, जो मुहम्मद के बारे में की गई थी।

वह प्रश्न यह थाः यदि मुहम्मद ने खुद ही कहा कि कुछ आयतें अल्लाह की नहीं, बल्कि शैतान की प्रेरणा से उनके मुँह से निकली थीं, इसलिए वे कुरान से हटा दी गईं – तो क्या गारंटी है कि ऐसा कुछ अन्य आयतों के साथ भी नहीं हुआ होगा? यह रुश्दी ने रूपक में पूछा था, बिना इस्लामी ग्रंथों के असली पात्रों का नाम लिए। किन्तु पैंतीस साल पहले इतना भी मुस्लिम नेताओं को मंजूर न था!

आज तो अनगिनत मुस्लिम लेखक – तसलीमा, वफा सुल्तान, अय्यान सिरसी अली, आदि – मुहम्मद पर और भी सीधे प्रश्न उठा रहे हैं। किंतु नाराजगी, धमकी और हिंसा के अलावा मुस्लिम नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। यह स्थिति अधिक दिन नहीं रह सकती। ओवैसी जैसे बौद्धिक नेताओं को इसे न्यायसंगत रूप से देखना होगा। चुनी हुई नाराजगी और शिकायत अब काम नहीं करेगी। शिकायत और नाराजगी दूसरों को भी है।

वास्तव में, वैसे प्रश्न नए भी नहीं, जो रूशदी या तसलीमा ने उठाए हैं। बहुत से मक्कावासियों ने वही सवाल मुहम्मद से भी पूछे थे। वे उत्तर नहीं दे सके और केवल तलवार से सभी सवालों का निपटारा किया। यह सब उन की जीवनी में विस्तार से लिखा मिलता है। अब चौदह सदियों बाद भी, उसी तरीके की सीमा है। जैसा कि रुश्दी और तसलीमा के मामले में भी देखा गया।

अच्छा हो, कि मुस्लिम नेता इस पर विचार करें। किसी समान मानदंड के साथ, जो सब पर लागू हो। उन पर भी जो 'मुहम्मद से मुहब्बतइ करते हैं और उन पर भी जो नहीं करते। एकतरफा नाराजगी दोतरफा असंतोष बढ़ाती है। यह न सभी मुसलमानों को संतुष्ट कर सकता है, न ही मानवता को।

नई तकनीक ने मुसलमानों को नए प्रकार से सशक्त किया है –अब वे कुरान, हदीस, और सीरा को जानने–समझने के लिए केवल मुल्लों पर निर्भर नहीं। इस्लामी मूल ग्रंथों की सारी बातें अब हर भाषा में, इंटरनेट पर दुनिया के हर कोने में फौरन और मुफ्त देखने, जाँचने–परखने के लिए उपलब्ध हैं। अतः अनेक मुसलमान भी रुश्दी या तसलीमा द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर धमकी और हिंसा के बजाय किसी बेहतर उत्तर की माँग करेंगे।

सो, ओवैसी ने अभी 6 अक्तूबर को बहादुरगंज की एक सभा में पूछाः अगर हम 'आई लव मुहम्मदइ का पोस्टर लेकर चलें तो उसमें अवैध क्या है? इस का उत्तर है कि तसलीमा का कथन जब तक इस्लाम रहेगा, आतंकवाद रहेगा का पोस्टर लेकर चलना भी उतना ही वैध है। यानी, मुहम्मद की आलोचना उतना ही वैध है जितना मुहम्मद से मुहब्बत करना। दोनों अधिकार समान धरातल पर हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू।

अतः ओवैसी को भी एक सवाल का जवाब देना होगा। जब उनके दल एम.आई.एम. के कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में तसलीमा नसरीन पर हमला किया। उस के बाद उन दल के नेता और भाई अकबरुद्दीन ओवैसी ने 9 अगस्त 2007 को प्रेस क्लब, हैदराबाद में खुले आम घोषणा की थीः यदि वह अगली बार आई, तो हम उसे मार डालेंगे। कृपा कर असदुद्दीन ओवैसी बताएं – उस में वैध क्या था?आज यदि ओवैसी कानून का हवाला दे रहे हैं, तो दूसरों को भी वही हक है। एक जिम्मेदार नेता ही नहीं, एक न्यायी मनुष्य की तरह ओवैसी को यह सोचना चाहिए। उन के पार्टी के ही नेता और कार्यकर्ता दोहरेपन, मनमानी और ताकत की भाषा बोलते रहे हैं। अतः असदुद्दीन ओवैसी को ही इस का जवाब देना चाहिएः आप जैसे मुस्लिम नेता इस देश को, या मानवता को कहाँ ले जाना चाहते हैं?

सरकार का करेंगे नरकासुर जैसा हाल, दिवाली पर उद्धव ने साधा निशाना

अजय मार्कण्डे

मुंबई महानगरपालिका सहित राज्य के अन्य निकाय चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे के बीच मनोमिलन, मुलाकातों का दौर बढ़ गया है। उद्धव की पार्टी शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) तथा राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के युति की संभावना बढ़ने के साथ ही राज्य में सियासी हवा रुख भी बदलने लगा है। अब नेताओं पलायन महायुति से यूबीटी की ओर शुरू हो गया है।

इसी पृष्ठभूमि में नासिक की पूर्व नगरसेविका संगीता गायकवाड सोमवार को पाला बदलकर बीजेपी से यूबीटी में चली गई हैं। इस मौके पर उद्धव ठाकरे ने नरक चतुर्दशी का जिक्रकरते हुए सरकार में बैठे विरोधियों को नरकासुर करार दिया।

उन्होंने कहा कि अब हम इनका हाल नरकासुर जैसा ही करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था। उन्होंने आगे कहा कि आज नरकासुर कौन है? यह आपको अलग से बताने की कोई जरूरत है, ऐसा मुझे नहीं लगता और आप ये भी जानते हैं कि नरकासुर का वध कैसे करना है? उन्होंने कहा कि संगीता और अन्य लोग नरकासुर का वध करने के लिए हमारे साथ आए हैं।

मैं नासिक में वापस आऊंगा

उद्धव ने कहा कि महाराष्ट्र योद्धाओं का राज्य है। हमारे साथ आईं संगीता और

दूसरे लोगों से मैं सबके सामने पूछता हूं कि क्या आपको खोके वगैरह का लालच दिया गया है अथवा आपको डराया धमकाया गया है? क्योंकि लालच देकर लिए गए लोग निष्ठावान नहीं हो सकते हैं। इसकी बजाय मुझे निष्ठावान सैनिक पसंद हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं नासिक में पहले भी आ चुका हूं औप अगली बार आऊंगा तो भगवा लहराता नजर आना चाहिए।

25 को मुंबई में बैठक

उद्धव ने कहा कि वोट चुराकर सत्ता में काबिज हुए लोग अब तक यही सोचते थे कि उन्हें कोई पकड़ नहीं पाएगा, लेकिन हमने उन्हें पकड़ लिया है। इन वोट चोरों को तड़ीपार करने के लिए मराठी और गैर मराठी लोग एकजुट हो रहे हैं। क्योंकि कोई भी तानाशाही पसंद नहीं करता है। इस बीच उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों में व्याप्त गड़बड़ी और वोट चोरी पर मार्गदर्शन करने के लिए 25 अक्टूबर को मुंबई में उप–शाखा प्रमुखों की एक बैठक बुलाई जाएगी।

राऊत ने बोला हमला

सांसद व यूबीटी प्रवक्ता संजय राऊत ने कहा कि आज नरक चतुर्दशी है। नरकासुर का जन्म कहां हुआ था? गुवाहाटी में हुआ था। ये नरकासुर यहीं है और गुवाहाटी में पूजा करने जाते है। शिंदे गुट के विधायक जिस तरह गुवाहाटी जाकर पूजा करते हैं, इससे अस्पष्ट हो जाता कि नरकासुर का जन्म गुवाहाटी में हुआ था। गुवाहाटी में रेडों की बलि देकर बनी सरकार से हम क्या उम्मीद कर सकते हैं? उन राज्यों के मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्रियों से हम क्या उम्मीद कर सकते हैं जो विज्ञान की बजाय तकनीक, मंत्र और मशीनों में विश्वास करते हैं? पंडित नेहरू ने देश को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाया।

पहली बार में ही हेमा मालिनी की खूबसूरती पर मोहित हो गई थी सायरा बानो, जन्मदिन पर शेयर किया किस्सा

भारतीय सिनेमा की सफल और अपने जमाने में हीरो से भी ज्यादा फीस लेने वाली अदाकारा हेमा मालिनी आज अपना 77वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है। लेजेंड्री अदाकारा सायरा बानो ने अब हेमा मालिनी के लिए दिल खोलकर लंबा–चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है और उन्हें दिल से दुआ दी है। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर अपनी, हेमा मालिनी और दिलीप कुमार की पुरानी फोटो शेयर की है, और उन्होंने अपनी और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब उन्होंने हेमा मालिनी को देखा था, तो, वो उनकी खूबसूरती, चेहरे के शांत भाव और ग्रेस पर मोहित हो गई थीं। सायरा बानो ने कैप्शन में लिखा, हमारी पहली मुलाकात 1966 में आरके स्टूडियो में 'दीवाना' के सेट पर हुई थी। मुझे आज भी याद है कि मैं कैसे उनके शांत स्वभाव, सुंदरता और ग्रेस पर मोहित हो गई थी। जिसके बाद हम सुरम्य कृष्ण राज सागर बांध पर शूटिंग के दौरान फिर मिले, जहां उनकी मां और हमारी मां और हम दोनों शूटिंग के बाद बैठकर घंटों बातें करते थे ।

गेंदबाजों के नाम रहा दूसरा दिन, मुश्किल में फंसी साउथ अफ्रीका को ट्रिस्टन स्टब्स से आस

नई दिल्ली। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच का दूसरा दिन मंगलवाप गेंदबाजों के नाम रहा। दूसरे दिन दोनों टीमों के बीच कुल नौ बल्लेबाज आउट हुए। दिन का अंत होने तक साउथ अफ्रीका ने अपने चार विकेट खोकर 185 रन बना लिए हैं। वह अभी भी पाकिस्तान से 148 रन पीछे है। स्टम्प्स तक ट्रिस्टन स्टब्स 68 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ काइल वेरीयेने 10 रन बनाकर खेल रहे हैं। साउथ अफ्रीका की पूरी उम्मीदें इस जोड़ी पर ही टिकी हैं। अगर ये जोड़ी आउट हो गई तो फिर मेहमान टीम का पाकिस्तान के स्कोर के पास जाना भी मुश्किल हो जाएगा।

शकील का अर्धशतक

पाकिस्तान ने दिन की शुरुआत पांच विकेट के नुकसान पर 259 रनों के साथ की थी। सउद शकील ने 42 और सलमान अगा ने 10 रनों से आगे अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने टीम का स्कोर 316 तक पहुंचा दिया था तभी केशव महाराज ने सलमान को

आउट कर पाकिस्तान को छठा झटका दिया। पांच रन बाद शकील भी आउट हो गए। उन्हें भी महाराज ने आउट किया। शकील ने 147 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 66 रन बनाए। सलमान ने 76 गेंदों पर 45 रनों की पारी खेली। इन दोनों के आउट होने के बाद पाकिस्तानी टीम लगातार विकेट खोती रही और 333 रनों पर ऑल आउट हो गई।

साउथ अफ्रीका लड़खड़ाई

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत तो करने में सफल रहे लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल सके। रियान रिकेलटन को शाहीन शाह अफरीदी ने 22 के कुल स्कोर पर आउट किया। रियान सिर्फ 14 रन ही बना सके। साजिद खान ने एडेन मार्करम को आउट कर साउथ अफ्रीका को बड़ा झटका दिया। वह 62 गेंदों पर 32 रन बना सके। अपनी पारी में उन्होंने चार चौके और एक छक्का मारा। स्टब्स और टोनी डी जॉर्जी ने एक साझेदारी की और टीम को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 113 रन जोड़े। जोर्जी को डेब्यू कर रहे आसिफ अफरीदी ने आउट किया। वह 93 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से 55 रन बना सके। डेवाल्ड ब्रेविस खाता नहीं खोल पाए। इसके बाद कोई और विकेट नहीं गिरा।

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और आईएएनएस से बात करते हुए कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है,

दूसरी ही फिल्म से लगा खलनायिका का टैग

बॉलीवुड सिनेमा के 70 के दशक में एक ऐसी वैम्प अदाकारा थी, जिनको लेकर जिज्ञासा सेट पर लोगों में लीड रोल करने वाली एक्ट्रेसेस से ज्यादा होती है। हम बात कर रहे हैं फिल्म इंडस्ट्री की मोना डार्लिंग यानी बिंदू देसाई की। उन्होंने कभी पर्दे पर लड़ाकू सास बनकर बहूओं की नाक में दम किया तो कभी गैंगस्टर की गर्लफ्रेंड बनकर भी सिनेमा के पर्दे पर राज किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिंदू को पहली फिल्म से नहीं बल्कि दूसरी फिल्म से सफलता हासिल हुई? बिंदू देसाई के पिता नानूभाई देसाई चाहते थे कि वो डॉक्टर या इंजीनियर बने, लेकिन बिंदू को सिनेमा से लगाव था और वो बहुत खूबसूरत भी थी।

'कमजोरी का पूरा फायदा उठाएंगे', ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने विराट कोहली को दे डाली खुली चुनौती

एडीलेड। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज गुरुवार को दूसरे वनडे मैच में विराट कोहली की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों के विरुद्ध हाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे, जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं।

विराट की कमी पता है

शॉर्ट ने कहा कि मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह

आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाफ (जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके विरुद्ध काफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। शॉर्ट ने कहा कि पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे। शॉर्ट ने कहा कि जब रोहित या (शुभमन) गिल उस दिन (पर्थ में) आउट हुए और फिर कोहली आए तो बस नारे लगे।

यह सीरीज महत्वपूर्ण

जब वह मैदान पर उतर रहे होते थे तो बल्लेबाज के रूप में मैदान से बाहर जाते समय आपको बहुत बुरा महसूस होता था। यह एक शानदार अनुभव है। शॉर्ट जैसे खिलाड़ियों के लिए दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले यह सीमित ओवरों की सीरीज काफी अहम है। मोहाली में भारत के विरुद्ध पदार्पण करने के बाद से दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चोटों और उतार–चढ़ाव भरी भूमिकाओं का सामना किया है। उन्होंने आठवें नंबर से शुरुआत करते हुए मौजूदा सीरीज में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की लेकिन अब भी फॉर्म की तलाश में हैं।

संक्षिप्त समाचार

समिति की कार्यकारणी का विस्तार, जगदीश बनें उपाध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देव भूमि उत्कर्ष सेवा समिति की ओर से आयोजित बैठक में समिति की कार्यकारणी का विस्तार किया गया। जिसमें जगदीश भारद्वाज को उपाध्यक्ष व सुंदर लाल जोशी को महामंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई है।सिताबपुर स्थित कार्यालय में समिति के अध्यक्ष डा. रमाकांत कुकरेती की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा है। इसके लिए सदस्य लगातार धरातल पर उतरकर कार्य कर रहे हैं। कहा कि गरीब व असहाय व्यक्तियों की मदद के लिए हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। बैठक में पूर्व प्रधानाचार्य जगदीश भारद्वाज को समिति के उपाध्यक्ष व सुंदर लाल जोशी को महामंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर बीएस नेगी, आंचल बिष्ट, जनार्दन प्रसाद, जगदीश भारद्वाज, एसएल जोशी, आरबी कंडवाल आदि मौजूद रहे।

दीपावली पर प्रशासन ने आपदा प्रभावितों को बांटी राहत सामग्री

चमोली। दीपावली पर्व पर प्रशासन ने तहसील क्षेत्र के आपदा पीड़ितों को राहत सामग्री बांटी। डीएम चमोली गौरव कुमार के निर्देश पर थराली एसडीएम अबरार अहमद एवं कर्णप्रयाग के एसडीएम सोहन सिंह रांगड के नेतृत्व में राजस्व विभाग का एक दल आपदाग्रस्त थराली के खटगोला तोक, चेपड़ों, सगवाड़ा आदि गांवों में पहुंचा। जहां उन्होंने आपदा पीड़ितों को कंबल सहित अन्य राहत सामग्री बांटी। इस दल में राजस्व उप निरीक्षक रोबिट सिद्दीकी, मनीष सिंह सहित तहसील कार्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद थे। थराली एसडीएम अबरार अहमद ने बताया कि निकट भविष्य में भी आपदा पीड़ितों को प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

पंती कस्बे से सेटरिंग प्लेट चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

चमोली। नारायणबगड़ ब्लॉक के पंती कस्बे से चोरी की गई 77 सेटरिंग प्लेटों के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल पुरसाड़ी भेज दिया है। चोरी में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास भी किए जा रहे हैं। पंती कस्बे में वेल्डिंग एवं फेब्रिकेशन दुकान के संचालक रुद्र सिंह बिष्ट ने 18 अक्तूबर को थराली थाने में तहरीर दी थी। बताया था कि 16 अक्तूबर की रात को उनकी दुकान के बाहर रखीं 35 सेटरिंग की प्लेटें चोरी हो गईं। इससे पूर्व 16 सितंबर की रात को भी चोर 42 सेटरिंग प्लेटें चुरा ले गए थे। पुलिस ने मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। सीओ कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा की निगरानी और थानाध्यक्ष थराली विनोद चौरसिया के नेतृत्व में गठित की गई पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज तथा सर्विलांस सेल की मदद से बीते सोमवार को चोरी की गई सेटरिंग प्लेटों के साथ दो आरोपी दिग्पाल सिंह (35) निवासी रेन (देवाल), रवि कुमार (27) निवासी ओडर (देवाल) को चोरी में शामिल वाहन के साथ देहरादून से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में शामिल चौकी प्रभारी एसआई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद पुरसाड़ी जेल भेज दिया गया है। अन्य लोगों के शामिल होने की आशंका को देखते हुए तलाश की जा रही है।

नई टिहरी को मॉडल डायट के रूप में विकसित करने की कवायद शुरू

नई टिहरी। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) नई टिहरी को मॉडल डायट के रूप में विकसित करने की कवायद शुरू हो गई है। अवस्थापना विकास के लिए पेयजल निगम चंबा को डीपीआर बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। मॉडल डायट बनने से टिहरी में सरकारी शिक्षा के विस्तार में और सुविधा मिलेगी। एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी की अध्यक्षता में मंगलवार को डायट सभागार में अकादमिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डायट के अकादमिक कार्यों के अलावा मॉडल डायट बनाने के लिए इस्टीमेट तैयार करने पर चर्चा की गई। डीएम नितिका खंडेलवाल ने खुशी जताई कि टिहरी डायट को मॉडल डायट बनाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। डीएम, एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. सकलानी सहित अन्य अधिकारियों ने डायट भवन, प्रताप इंटर कॉलेज और निकटवर्ती स्थानों का निरीक्षण किया। मॉडल डायट के लिए उक्त भवन के अलावा भूमि चयन किया जाना है। टीम ने खाली स्थान तथा ऑडिटोरियम के लिए जगह का निरीक्षण किया गया।

रेस्टोरेंट में लगी आग, लाखों का सामान हुआ खाक

दीपावली की रात आतिशबाजी से कोटद्वार-निंबूचौड़ के मध्य स्थित रेस्टोरेंट में लगी आग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार-निंबूचौड़ के मध्य सिम्मलचौड़ के समीप स्थित एक रेस्टोरेंट में दीपावली की रात आग लग गई। आग के कारण रेस्टोरेंट में रखा सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। गनीमत यह रही कि आगे आसपास के क्षेत्र में नहीं फैली, जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना सोमवार रात करीब दस बजे की है। सिम्मलचौड़ के समीप स्थित बावर्ची रेस्टोरेंट से कुछ लोगों को आग की लपटे निकलती हुई दिखाई दी। रेस्टोरेंट की छत बनाने में प्रयोग किया गया फूस तेजी से जल रहा था। आग पर काबू पाया जाता, उससे पहले ही आग विकराल हो गई। रेस्टोरेंट स्वामी महेश कोटनाला ने बताया कि सोमवार को दीपावली पर्व होने के कारण उन्होंने अपना रेस्टोरेंट बंद किया हुआ था। लेकिन, उनके पास एक खाने का आर्डर आया हुआ था। जिसे पहुंचाने के लिए वह रेस्टोरेंट में आए हुए थे। बताया कि आर्डर तैयार करने के बाद वह रेस्टोरेंट से चले गए थे। लेकिन, कुछ देर बाद ही उन्हें फोन पर सूचना मिली कि रेस्टोरेंट में आग लग गई जब तक वे मौके पर पहुंचे, सारा सामान राख हो चुका था। बताया कि जिस समय रेस्टोरेंट में आग लगी उस समय रसोई में एक कर्मचारी भी मौजूद था। आग की लपटो को देखकर वह तेजी से बाहर निकला। बताया कि आग के कारण करीब बीस लाख रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

कोटद्वार में कोटद्वार-निंबूचौड़ मोटर मार्ग पर स्थित बावर्ची रेस्टोरेंट में लगी आग

घायलावस्था में मिला गुलदार का शावक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दुगड्डा रेंज के अंतर्गत मटियाली के गोरिया क्षेत्र में एक गुलदार का शावक मिला है। शावक चलने में असमर्थ है। ऐसे में वन विभाग ने उसे उपचार के लिए कार्बेट टाइगर के रेस्क्यू सेंटर ढेला भेज दिया।

मंगलवार को गांव की कुछ महिलाएं जंगल में घास लेने के लिए गई हुई थी। इसी दौरान उन्हें जंगल में गुलदार का घायल शावक नजर आया। जिसकी सूचना उन्होंने वन विभाग को दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम शावक का रेस्क्यू कर उसे वन रेंज में लेकर आई। जहां से शावक को प्राथमिक उपचार देकर कार्बेट टाइगर के रेस्क्यू सेंटर भेजा गया। दुगड्डा रेंज अधिकारी उमेश जोशी ने बताया कि शावक चलने में असमर्थ है। स्थिति देखकर लगता है कि उसके पैर पर चोट लगी होगी। बताया कि शावक की उम्र करीब एक वर्ष की है।

इंजीनियर कोर की उपलब्धियों की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के एक बारातघर में इलेक्ट्रानिक्स और यांत्रिकी इंजीनियर कोर (ईएमई) की तरफ से 83वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आपरेशन सिंदूर में यांत्रिकी इंजीनियर कोर की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व सैनिक संघर्ष समिति के अध्यक्ष महेंद्रपाल सिंह रावत ने किया। वक्ताओं ने यांत्रिक इंजीनियर कोर की आपरेशन सिंदूर में दिए गए योगदान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि युद्धों के दौरान यांत्रिक इंजीनियर कोर की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसका निर्वहन यांत्रिकी कोर के जवान बखूबी निभाते है। कहा कि आपरेशन सिंदूर में भी यांत्रिकी इंजीनियरिंग कोर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महेंद्र पाल सिंह ने कहा कि देश सेवा के बाद सभी पूर्व सैनिकों को समाज सेवा के लिए आगे आना होगा, उन्होंने सभी पूर्व सैनिकों को संगठित रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर कर्नल (अप्रा) एसपी भट्ट, दीपक रावत, ताजबर सिंह गुसांई, चंद्रमोहन सिंह राणा, अनुसुया प्रसाद सेमवाल, सीपी कोटनाला, अमर सिंह बिष्ट, जीपी शर्मा, टीप्स नेगी, राकेश कुमार, विनोद बहुखंडी मौजूद रहे।

लीकेज सीवर लाइन को ठीक करने की मांग

नई टिहरी। सेक्टर चार ई–2 से बौराड़ी जाने वाली सड़क पर सीवर बहने से आसपास रहने वाले और आवाजाही करने वाले लोग परेशान हैं। उन्होंने जल संस्थान से शीघ्र लीकेज सीवर लाइन को ठीक करने की मांग की है। मौलधार–बौराड़ी व बुडोगी गांव जाने वाली सड़क के वार्ड संख्या सात सेक्टर चार ई के समीप सीवर लाइन के लीकेज होने सीवर सड़क के किनारे बनी नाली में बह रहा है।

पंचतत्व में विलीन हुए रिटायर सूबेदार प्रताप सिंह पटवाल

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : भारतीय सेना से रिटायर सूबेदार प्रताप सिंह पटवाल का बीती सोमवार रात को निधन हो गया है। मंगलवार को पैतृक घाट पर उन्हें अंतिम विदाई दी गई। श्री पटवाल दो बार ग्राम प्रधान, जनता इंटर कॉलेज धाधनखेत के व्यवस्थापक और व्यापार मंडल थलीसैंण के अध्यक्ष रहे है। उनके निधन पर व्यापार मंडल थलीसैंण, सैनिक संगठन थलीसैंण ने शोक व्यक्त किया है।

ग्राम सभा ग्वारी के उडेली गांव निवासी भारतीय सेना से रिटायर सूबेदार प्रताप सिंह पटवाल कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे, बीती सोमवार रात को लगभग 9 बजे उन्होंने अपने पैतृक गांव उडेली में अंतिम सांस ली। मंगलवार सुबह 10 बजे पैतृक घाट कालगाड घाट में उन्हें अंतिम विदाई दी गई। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। सूबेदार प्रताप सिंह साहब

चौथी गढ़वाल राइफल से रिटायर हुए थे, उनके दो बेटे और एक बेटी है। वह दो बार ग्राम सभा ग्वारी के प्रधान रहे। इस दौरान उन्होंने ग्राम सभा में ऐतिहासिक विकास कार्य किये। वह असहाय लोगों की हर समय मदद करते थे। वह जनता इंटर कॉलेज धाधनखेत के व्यवस्थापक और व्यापार मंडल थलीसैंण के अध्यक्ष भी रहे। सैनिक संगठन के अध्यक्ष जगदीश सिंह व पूर्व सैनिकों ने उन्हें श्रद्धाजंलि दी।

दीपावली पर्व पर अफसरों ने सुनी आपदा प्रभावितों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : दीपावली पर्व पर जहां लोग अपने घरों में त्योहार मनाने की तैयारियों में जुटे रहे, वहीं जिला प्रशासन की टीम ने विकासखंड पाबौ के आपदा प्रभावितों का हाल जाना। इस दौरान अफसरों का ग्रामीणों ने स्वागत किया। एडीएम ने बताया कि प्रशासन की ओर से लगातार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

अपर जिलाधिकारी अनिल गर्ब्याल की अगुवाई में अफसरों की टीम ने पाबौ के आपदा प्रभावित गांव सैंजी का भ्रमण किया। उन्होंने सैंजी के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में रह रहे आपदा प्रभावितों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। एडीएम ने बताया कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों के आवास, सड़क, बिजली, पानी और हर स्तर पर राहत कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। एडीएम ने उनसे संवाद किया। बताया कि वर्तमान में प्रशासन द्वारा गांव में ही उपयुक्त भूमि के लिए चिह्नीकरण प्रक्रिया की जा रही है। जल्द ही प्रभावितों के लिए विस्थापन की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। सैंजी की ग्राम प्रधान रेखा देवी ने जिला प्रशासन की सराहना की। इस मौके पर तहसीलदार दीवान सिंह राणा, कानूनगो प्रताप सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र नौटियाल आदि शामिल रहे।

स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाए ऊर्जा निगम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में स्मार्ट मीटर के विरोध में लोगों का धरना जारी है। लोगों ने ऊर्जा निगम से स्मार्ट मीटर को हटाकर पुराने मीटर लगवाने की मांग उठाई। कहा कि जनता का शोषण किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मंगलवार को लोगों ने तहसील परिसर में धरना दिया। कहा कि क्षेत्रवासी विगत कई सप्ताह से तहसील परिसर में विद्युत स्मार्ट मीटरों के विरोध में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन शासनप्रशासन उनकी मांगों की लगातार अनदेखी कर रहा है। कहा कि स्मार्ट मीटरों में खपत से ज्यादा बिल आ रहा है, जिससे गरीब लोगों पर आर्थिक बोझ पड़ रहा है।

कहा कि पूर्व में जो मीटर लगाए गए उन मीटरों की रीड़िग खपत के अनुसार ही आ रहा था, लेकिन ऊर्जा निगम ने लोगों को बिना बताए ही पुराने मीटरों को उखाड़ कर जबरदस्ती लोगों के घरों में स्मार्ट मीटर लगा दिए। कहा ऊर्जा निगम से लोगों के घरों में लगाए गए स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुरानी व्यवस्था को यथावत किए जाने की मांग की है। कहा कि जब तक उनकी मांगों को नहीं माना जाएगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर रीना देवी, परमानंद, महेश नेगी, रंजीत सिंह मौजूद रहे।

कोटद्वार में स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना देते लोग

मार्ग निर्माण के लिए लोगों का धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण के लिए लोगों का धरना जारी है। लोगों ने सरकार से जल्द से जल्द मार्ग निर्माण की मांग उठाई। कहा कि हर चुनाव में जनता को मार्ग निमाण का आश्वासन दिया जाता है। लेकिन, आज तक धरातल पर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ।

मंगलवार को लोगों ने चिल्लरखाल में बैठकर धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि क्षेत्रीय जनता पिछले कई दशकों से मार्ग निर्माण की मांग उठा रही है। बावजूद उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

कहा कि जनहित में लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग का निर्माण करवाया जाना जरूरी है। इस मोटर मार्ग के बन जाने से हरिद्वार व राजधानी देहरादून की दूरी कम हो जाएगी, साथ ही लोगों को दोहरे टैक्स से भी निजात मिल सकेगी। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मोटर मार्ग निर्माण में आ रही बाधाओं को शीघ्र दूर करने की मांग की है। कहा कि यदि प्रदेश सरकार में इच्छा शक्ति हो तो कोई काम कठिन नहीं हैं। कहा कि लालढांग चिल्लरखाल मोटर मार्ग का मामला जनआंदोलन का रूप ले चुका है। इस मौके पर देवेंद्र सिंह रावत, प्रकाश रावत, देवेंद्र सिंह नेगी, हरेंद्र सिंह, सुभाष त्यागी, मनोज, प्रमिला देवी, दीपा आदि मौजूद थे।

कोटद्वार के चिल्लरखाल में मार्ग निर्माण के लिए धरना देते लोग

पुलिस जवानों को श्रद्धांजलि दी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला मुख्यालय पौड़ी में पुलिस स्मृति दिवस पर बलिदानी पुलिस जवानों को यादकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

पुलिस लाइन में प्रतिसार निरीक्षक श्याम लाल की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अफसरों व कर्मचारियों ने प्रदेश व देश के विभिन्न हिस्सों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जनता की सुरक्षा व आंतरिक शांति स्थापित करने के दौरान अपने प्राणों का बलिदान देने वाले बलिदानियों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने मित्र पुलिस को मित्रता व ईमानदारी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस मौके आरआई रेडियो नीरज कुमार, सूर्य प्रकाश आदि शामिल रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को कोर्ट ने किया दोषमुक्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : कोतवाली कोटद्वार क्षेत्र के अंतर्गत नाबालिग से दुष्कर्म और मारपीट के आरोपी पिता को अदालत ने दोषमुक्त किया है। विशेष सत्र न्यायाधीश पोक्सो एक्ट धर्म सिंह की अदालत ने यह फैसला सुनाया। मामला 17 जुलाई 2023 का है। कोतवाली कोटद्वार में नाबालिग से दुष्कर्म और मारपीट को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ था।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता पोक्सो एक्ट विजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 17 जुलाई 2023 को कोतवाली कोटद्वार के अंतर्गत नाबालिग से दुष्कर्म और मारपीट को लेकर मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें बेटी ने ही पिता पर दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाए थे। तहरीर में बताया गया कि पिता शराब के नशे में आए दिन बेटियों के साथ मारपीट और दुष्कर्म करने का प्रयास करता है, जिससे बेटियां अपने ही घर में असुरक्षित महसूस करने लगी थीं। बताया कि मां की मौत के बाद पिता ने दूसरी शादी कर ली। शराब की लत की वजह से दूसरी पत्नी भी उन्हें छोड़कर चली गई। नाबालिग की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पिता पर पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने 19 जुलाई 2023 को आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने करीब एक माह बाद 16 नवंबर 2023 को आरोपी पिता को जमानत पर छोड़ दिया। अब अभियोजन पक्ष न्यायालय में मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्यों के विश्लेषण के आधार पर उक्त आरोपों को सिद्ध करने में असफल रहा, जिस पर न्यायालय ने आरोपी मोहन सिंह सैनी को उक्त आरोपों से दोषमुक्त कर दिया है।

नगर पालिका बढ़ाएगी गोशाला की क्षमता, 22 लाख मिले

नई टिहरी। नगर पालिका नई टिहरी गोशाला का विस्तार करेगी। करीब 65.24 लाख रुपये की लागत से एल. ब्लॉक में पुरानी गोशाला का विस्तारीकरण किया जाएगा। इसमें लगभग 100 गोवंश को रखे जा सकेंगे। नई टिहरी, बौराड़ी, बीपुरम और कोटी कॉलोनी नगर क्षेत्र में गोवंश के संरक्षण के लिए नगर पालिका ने वर्ष 2023 में एल. ब्लॉक में गोशाला बनाई थी लेकिन इसकी क्षमता महज 30 गोवंश रखने की है। सरकार ने गोशाला विस्तारीकरण/ नवनिर्माण के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए थे। प्रशासन ने नगर पालिका को जगह चिह्नीकरण करते हुए गोशाला पुनर्निर्माण/नव निर्माण के निर्देश दिए। पुरानी गोशाला के पास पर्याप्त मात्रा में जगह उपलब्ध है लेकिन यहां पर ऊर्जा निगम के चार ट्रांसफार्मर लगे थे। जिनको हटाने के लिए नगर पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत ने पैरवी की। विभिन्न मद से ऊर्जा निगम को ट्रांसफार्मर हटाने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई। दीपावली से पूर्व ऊर्जा निगम ने ट्रांसफार्मर, लाइन शिफ्ट कर दिए हैं जिससे अब गोशाला का विस्तार होने की उम्मीद जगी है। पालिकाध्यक्ष रावत ने बताया कि नई गोशाला में 100 पशु रखे जा सकेंगे।

युवा व्यापारी के आकस्मिक निधन पर घंडियाल बाजार पूर्णतया रहा बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

कल्जीखाल : विकासखंड कल्जीखाल क्षेत्र के अंतर्गत घंडियाल बाजार मंगलवार को पूर्णतया बंद रखा गया। बीती सोमवार तड़के बाजार के प्रतिष्ठित युवा व्यापारी प्राणराज सिंह चौहान का देहरादून में इंद्रेश अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह एक माह से पीलिया रोग से ग्रस्त थे उनके आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। वह एक निर्मल हृदय, मिर्दुल स्वभाव, मिलनसार व्यक्ति थे। उनके अचानक चले जाना क्षेत्र के लिए अपूर्णीय क्षति है।

वह मूल रूप से डांगी गांव के रहने वाले थे। प्राणराज चौहान चार भाई थे, वह सबसे छोटे भाई है। सबसे बड़े भाई

अनिल चौहान का स्वर्गवास हो चुका है, जबकि दो बड़े भाई रघुराज सिंह चौहान और देवराज सिंह चौहान शिक्षक है। प्राणराज घंडियाल बाजार में अपनी पुस्तैनी दुकान चलाते थे वह तीसरी पीढ़ी के रूप में घंडियाल बाजार में युवा व्यवसाई के तौर पर जाने जाते थे। वह एक फोन पर गांव-गांव में खाद्यान्न सामग्री भेज देते थे। उनकी क्षेत्र में बहुत पहचान थी, क्योंकि पहले उनके दादा स्वर्गीय उमराव सिंह चौहान कभी घड़ियाल बाजार के बहुती प्रसिद्ध स्वर्ण कारीगर हुआ करते थे। स्वर्ण कारीगरी कार्य छोड़कर उन्होंने सस्ते गले और परचून की दुकान खोल दी उसके बाद उनके पिताजी स्वर्गीय जयकृत सिंह चौहान ने पैतृक दुकान संभाली जो साथ-साथ ग्राम पंचायत डांगी के प्रधान भी रहे। वर्तमान में तीसरी पीढ़ी के रूप में प्राणराज चौहान पैतृक दुकान को चलाते थे। उनकी कुशल व्यवहारिकता के कारण विगत पांच साल पहले उनकी माता श्रीमती सरस्वती देवी चौहान निर्विरोध ग्राम प्रधान रही है। वह अपने पीछे एक पुत्री, एक पुत्र और पत्नी को छोड़कर अल्प आयु में संसार से विदा हो गए। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन पर मंगलवार को घंडियाल बाजार पूर्णतया बंद रखा गया तथा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शोक व्यक्त करने वालों में समाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी, व्यापार संघ अध्यक्ष संजय रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती अंजू रावत, ग्राम पंचायत प्रधान घड़ियाल श्रीमती अनीता देवी, पूर्व प्रधान दलजीत सिंह रावत, पूर्व प्रधान डांगी भगवान सिंह चौहान, राजेश पटवाल, नीतू लिंगवाल, युवा संगठन समिति के अध्यक्ष अजय मोहन नेगी, ग्राम पंचायत प्रधान थापला राकेश कुमार, गिरीश रावत, संतोष रावत आदि मौजूद थे।

कल्जीखाल के गौरव चौहान बनें समीक्षा अधिकारी, क्षेत्र में हर्ष की लहर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जनपद के कल्जीखाल ब्लॉक की पट्टी मनियारस्यूं के अंतर्गत सुरालगांव निवासी गौरव चौहान का चयन समीक्षा अधिकारी पद पर हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाल में ही उन्हें देहरादून में नियुक्ति पत्र प्रदान किया।

वह विगत एक दशक से सरकारी सेवा के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे। विकासखण्ड कल्जीखाल के घंडियाल क्षेत्र के लोगों ने उनके चयन पर हर्ष व्यक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम पलासू निवासी गौरव चौहान का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था, उनके पिता भारतीय सेना से सेवानिवृत थे। जबकि उनकी माता भगवती देवी गृहणी हैं। पढ़ाई के दौरान ही उनके ऊपर से पिता का साया वर्ष 2009 में उठ गया

था। गौरव बचपन से ही अपने ननिहाल सुराल गांव में रहते थे। होनहार विद्यार्थी गौरव ने सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल से कक्षा दसवीं एवं बाहरवीं में टॉपर रहे थे। वह वर्ष 2013 में दसवीं की बोर्ड परीक्षाओं में जनपद में अव्वल रहे तथा प्रदेश की योग्यता क्रम सूची में उनका बाईसवां स्थान था। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं की योग्यता क्रम सूची में स्थान आने पर उन्हें उमेश डोभाल स्मृति पुरस्कार एवं केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा इंस्पायर स्कालरशिप भी प्राप्त हुई। उनकी उच्च शिक्षा डीबीएस पीजी कालेज देहरादून से हुई है। होनहार गौरव ने कड़ा परिश्रम व छोटी मोटी नौकरी के साथ निरंतर अपनी पढ़ाई जारी रखी। राजस्व परिषद में समीक्षा अधिकारी पद पर चयन होने उनके गांव एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल के वर्तमान प्रधानाचार्य संदीप रावत व पूर्व प्रधानाचार्य राकेश नौडियाल ने गौरव चौहान का चयन समीक्षा अधिकारी पद पर होने पर हर्ष जाहिर कर उन्हें बधाई दी है। वहीं, युवा संगठन समिति घंडियाल अध्यक्ष अजय मोहन नेगी, समाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण पत्रकार जगमोहन डांगी, जगमोहन सिंह पटवाल, कर्नल आनंद कुमार थपलियाल (अ.प्रा) अध्यक्ष मनियारस्यूं वरिष्ठ नागरिक मंच, संगीता देवी ग्राम प्रधान गढ़कोट, कथावाचक मनोज थपलियाल, कथावाचक सुदामा प्रसाद कपटियाल ने उन्हें शुभकानाएं दी।

खड़ा दीया अनुष्ठान के लिए 4 नवंबर तक कराएं पंजीकरण

श्रीनगर गढ़वाल : ऐतिहासिक व पौराणिक सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव मंदिर में आगामी 4 नवंबर को बैकुंठ चतुर्दशी पर्व पर खड़ा दीया अनुष्ठान होगा। मंदिर में संतान कामना के लिए दंपति यह अनुष्ठान करते हैं। मान्यता है कि खड़ा दीया अनुष्ठान करने वाले दंपति को संतान प्राप्ति होती है। कमलेश्वर मंदिर में खड़ा दीया अनुष्ठान के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से 135 दंपति पंजीकरण करा चुके हैं। पंजीकरण आगामी 4 नवंबर सांय तक किए जा सकते हैं। कमलेश्वर महादेव मंदिर के महंत आशुतोष पुरी ने बताया कि आगामी 4 नवम्बर को कमलेश्वर महादेव मंदिर में खड़े दिया का अनुष्ठान किया जायेगा। बताया कि अभी तक बंगलौर, दिल्ली, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, नोएडा सहित उत्तराखंड के 15 दंपतियों ने संतान प्राप्ति के लिए पंजीकरण करवाया है। बताया कि पिछले वर्ष 145 निसंतान दंपति ने पंजीकरण करवाया था।

उत्तर रेलवे
ई–नीलामी सूचना
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी.ओ.) उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मंडल के द्वारा वाणिज्य विज्ञापन, स्टाफ कैंटीन, मेडिकल आउटलेट, स्लीपिंग पॉड्स एवं रेल कोच रेस्टोरेंट के ठेके को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–नीलामी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर दिनांक 07.11.2025 को आमंत्रित की गई है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।
3262/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या UK-1520110012752 में मेरा नाम रश्मि पत्नी पुष्कर सिंह (RASHMI w/o PUSHKAR SINGH) दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम रश्मि रावत पत्नी पुष्कर सिंह रावत (RASHMI RAWAT w/o PUSHKAR SINGH RAWAT) दर्ज है, जो कि मेरे आधार कार्ड में अंकित है। अतः मेरे ड्राईविंग लाईसेंस संख्या UK-1520110012752 में मेरा सही व वास्तविक नाम रश्मि रावत पत्नी पुष्कर सिंह रावत (RASHMI RAWAT w/o PUSHKAR SINGH RAWAT) दर्ज किया जाय।

रश्मि रावत पत्नी पुष्कर सिंह रावत निवासी डिग्री कॉलेज रोड़ अपर कालाबड, पट्टी सुखरौ, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(1303/21)

संक्षिप्त समाचार

फूलों से सज रहा यमुनोत्री और खरसाली मंदिर

उत्तरकाशी। दीपोत्सव और अन्नकूट पर्व के अवसर पर यमुनोत्री धाम में भक्ति और उत्सव का अनोखा संगम देखने को मिल रहा है। मां यमुना की शीतकालीन यात्रा की तैयारियों के तहत यमुनोत्री धाम और खरसाली गांव स्थित यमुना मंदिर को करीब 11 कुंतल फूलों से भव्य रूप से सजाया जा रहा है। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने जानकारी दी कि यमुनोत्री धाम में स्थित मां यमुना मंदिर की सजावट की जिम्मेदारी यमुनोत्री मंदिर समिति ने संभाली है, जबकि खरसाली गांव में स्थित शीतकालीन गद्दी स्थल यमुना मंदिर को पुरोहित महासभा द्वारा सजाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दोनों ही स्थानों पर मां यमुना की विदाई और स्वागत समारोह की तैयारियां जोर–शोर से चल रही हैं। जहां यमुनोत्री धाम में भक्त मां यमुना की भव्य विदाई के साक्षी बनेंगे, वहीं खरसाली गांव में मां यमुना की अगवानी के लिए भक्तगण पूरी श्रद्धा और उत्साह से तैयारी कर रहे हैं। मां यमुना के मंदिरों की सजावट में गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, कमल और स्थानीय फूलों का प्रयोग किया जा रहा है। मंदिर प्रांगण दीपों, झालरों और फूलों से ऐसा सजा है मानो धरती पर स्वर्ग उतर आया हो। मंदिर समिति के अनुसार, 23 अक्तूबर को यमुनोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए विधिवत रूप से बंद किए जाएंगे, जिसके बाद मां यमुना की डोली यात्रा पारंपरिक ढोल–दमाऊं और भजन–कीर्तन के साथ खरसाली गांव के लिए प्रस्थान करेगी। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंच रहे हैं।

मानसून सीजन में सक्रिय भूस्खलन नासूर बन गया

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर नालूपानी में मानसून सीजन में सक्रिय भूस्खलन नासूर बन गया है। साफ मौसम में भी भूस्खलन होने के कारण मलबा और बोल्डर सड़क पर गिर रहे हैं। बावजूद इसके बीआरओ की ओर से सड़क से मलबा नहीं हटाया जा रहा है। वहीं भूस्खलन को रोकने के लिए अभी तक कोई कारगर कदम नहीं उठाए गए हैं। मानसून सीजन में गंगोत्री हाईवे पर नालूपानी के समीप पहाड़ी से भूस्खलन सक्रिय हुआ था। इससे गंगोत्री हाईवे पर कई दिनों तक आवाजाही भी बाधित रही थी। मानसून सीजन के बाद बीआरओ ने भूस्खलन जोन से पहाड़ी पर लटक रहे मलबे को भी हटाया था लेकिन यह समस्या साफ मौसम में भी समाप्त नहीं हो रही है।वहां पर कई बार अचानक पहाड़ी से बोल्डर और मलबा गिर रहा है। इससे वाहनों की आवाजाही में भी खतरा बना है। भूस्खलन के कारण हाईवे भी संकरा हो गया है जिससे आवाजाही में दिक्कत हो रही है। वहीं बीआरओ ने सड़क से मलबा साफ नहीं किया है। नालूपानी के अलावा धरासू के आसपास भी सड़क पर मलबा पसरा है। मलबे के कारण संकरी हुई सड़क पर कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। पहाड़ी से अचानक मलबा और बोल्डर गिरने से आए दिन हादसे का खतरा बना रहता है।

धराली और छोलमी गांव में नहीं मनाया गया दीपावली का त्योहार

उत्तरकाशी। आपदा प्रभावित गांव धराली और छोलमी गांव में इस वर्ष दीपावली का त्योहार नहीं मनाया गया। इसके साथ ही इसके आसपास मुखबा, हर्षिल आदि गांव में भी त्योहार सादगी से मनाया गया। किसी भी गांव में पटाखे नहीं फोड़े गए। ग्रामीणों ने अपने घरों में दीये जलाकर और पूजा–पाठ के साथ पर्व सामान्य रूप से मनाया। बीते पांच अगस्त को धराली में आई आपदा में आठ परिवारों के चिराग मलबे में दब गए थे। वहां मौजूद अन्य गांव और शहरों सहित नेपाल के कई लोग भी मलबे में दबे। आपदा का असर पूरी हर्षिल घाटी में देखने को मिला। कई स्थानों पर गंगोत्री हाईवे बंद होने के कारण हर्षिल घाटी के गांवों में कुछ दिन राशन का खतरा भी मंडराया था। वहीं इस वर्ष सेब खराब होने से भी काश्तकारों को नुकसान झेलना पड़ा। आपदा का असर दिवाली के त्योहार में भी देखने को मिला। मुख्य रूप से प्रभावित धराली और इसके तोक छोलमीगांव में किसी भी घर में दीये नहीं जलाए गए। त्योहार को आपदा की कभी न भूल पाने वाली यादों ने लोगों के आंखों में आंसू ला दिए।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावितों के बीच मनाई दीपावली

मुख्यमंत्री ने किया प्रभावित क्षेत्र में चल रहे पुर्ननिर्माण कार्यों का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : दीपों के पर्व दीपावली पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, सोमवार को सहस्त्रधारा, देहरादून स्थित मझाड़ा गांव पहुंचे। जहां उन्होंने काली गाड़, मझाड़ा गाँव एवं सहस्त्रधारा क्षेत्र के आपदा प्रभावितों से भेंटकर उनकी समस्याओं को सुना एवं उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्र में चल रहे पुर्ननिर्माण कार्यों का भी स्थलीय निरीक्षण किया।

संवेदनशीलता और अपनत्व का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी दीपावली आपदा प्रभावित परिवारों के बीच में जाकर मनाई। मुख्यमंत्री स्वयं उनके घर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और ग्रामवासियों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों की मांग अनुसार अधिकारियों को रिवर ट्रेनिंग करने, गांव की सुरक्षा के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने प्रभावित परिवारों का हालचाल जाना और उन्हें हर संभव सहायता व पुनर्वास का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। आपदा से प्रभावित हर व्यक्ति की पीड़ा, सरकार की पीड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली केवल रोशनी का नहीं, बल्कि संवेदनाओं और एकता का त्योहार है। हमारे जीवन में भी उम्मीद और मुस्कान की ज्योति जलाते रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों को शीघ्र गति से पूरा किया जाए, ताकि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के कारण किसी भी परिस्थिति में बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए। जिन परिवारों के घर आपदा में क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जा रही है। साथ ही, ऐसे प्रभावित परिवार जो फिलहाल किराए पर रह रहे हैं, उनके किराए के भुगतान की व्यवस्था भी निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाएगा। मुख्यमंत्री के आगमन से प्रभावित परिवार खुश नज़र आए। स्थानीय लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री का इस तरह उनके बीच आना और दीपावली मनाना उनके कठिन समय में हौसल अफजाई करता है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महाप्रबंधक ने दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

दिल्ली : उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने त्योहारों के दौरान यात्रियों की संरक्षा, सुविधा एवं सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों की समीक्षा हेतु दिल्ली जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़ प्रबंधन पर दिल्ली मण्डल द्वारा किए गए इंतज़ामों का निरीक्षण किया और यात्रियों से बातचीत कर स्वच्छता और सुविधाओं पर उनकी प्रतिक्रिया ली। उन्होंने कंट्रोल रूम का भी दौरा किया और त्योहारों के दौरान यात्रियों की आवाजाही का निरीक्षण किया।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि रेलवे ने यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं, ताकि स्टेशन पर यात्रियों के आवागमन में यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुचने में उन्हें कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यात्री सुविधा और संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। छठ के दौरान, यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि को देखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा पूर्व की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए सामान्य ट्रेनों के अलावा विशेष ट्रेनें भी चलाई जा रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि रेलवे छठ पर्व के दौरान लाखों यात्रियों के लिए सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेगी। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयासरत रहें एवं समय-समय पर स्टेशनों का दौरा करें और यात्रियों की सुविधा को सुनिश्चित करे।

दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आचार्य अशोक बलोदी द्वारा हवन व लक्ष्मी पूजन विधि विधान से संपन्न कराया गया, जिसमें मुख्य यजमान नगर संघ चालक डॉक्टर वीरेंद्र रावत व उनकी धर्मपत्नी शामिल रहे मिलन कार्यक्रम में जिला संघ चालक विष्णु अग्रवाल, जिला प्रचारक कमल , जिला कार्यवाह संदीप , नगर कार्यवाह प्रशांत , जिलासह कार्यवाह सुमन , (पूर्वी दिल्ली)विभाग प्रचार प्रमुख जितेंद्र रावत ,जिला सामाजिक सदभाव प्रमुख अशोक बलोदी सहित समस्त जिला कार्यकारणी नगर कार्यकारिणी उपस्थित रहे। पदमपुर स्थित कार्यालय में दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें जिला सामाजिक सद्भाव प्रमुख

छोटे जुआरियों पर पुलिस की कार्रवाई.. बड़े पहुंच से दूर

पिथौरागढ़। दीवाली पर्व में जुआ खेलने वाले लोगों पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। एक के बाद एक मामले पकड़ने से आमजन पुलिस कार्य की सराहना कर रहे हैं, लेकिन आमजन का कहना है कि पुलिस केवल छोटे जुआरियों पर ही कार्रवाई कर रही है। बड़े–बड़े जुआरी जो लाखों रुपये का दांव लगा रहे हैं, पुलिस के हाथ उन तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। उन्होंने पुलिस से ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बीते अक्तूबर माह में अब तक 21 दिनों में 32 जुआरी पकड़े गए हैं। उनके पास से एक लाख 93 हजार से अधिक रुपये भी बरामद हुए हैं। पहला मामला तीन अक्तूबर को बेरीनाग में सामने आया। पुलिस ने 14 जुआरी पकड़े।

मिड डे मील के लिए भेज दिया पांच साल पुराना एक्सपायरी दूध, प्रिंटिंग में भी लापरवाही

पिथौरागढ़। सीमांत जिले में विद्यार्थियों की सेहत और सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां कई स्कूलों में मिड–डे–मील के तहत कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों को पिलाने के लिए एक्सपायरी दूध भेजा गया है। यही नहीं, दूध पर अंकित उत्पादन और उपयोग की अंतिम तिथि में भी गड़बड़ है। शिक्षकों ने जब दूध के पैकेट देखे तो मामले का खुलासा हुआ। अब विभागीय अधिकारी जांच की बात कर इस गंभीर लापरवाही पर पर्दा डालने में जुट गए हैं। मिड–डे–मील योजना के तहत सरकारी स्कूलों में कक्षा एक से आठवीं तक के विद्यार्थियों को सप्ताह में दो दिन दूध देना अनिवार्य है। दो दिन पैकेट में बंद 10–10 ग्राम फोर्टिफाइड दुग्ध चूर्ण को गरम पानी में

घोलकर बच्चों को दिया जाता है। जिले के स्कूलों में एक से आठवीं तक करीब 12000 से अधिक विद्यार्थी पढ़ते हैं जिन्हें यह फोर्टिफाइड दूध दिया जा रहा है। बीते दिनों स्कूलों में दूध की आपूर्ति हुई। जब शिक्षकों ने दूध के पैकेट देखे तो हैरान रह गए। पैकेट में उत्पादन की तिथि 24 सितंबर 2020 और इसे उपयोग करने की अंतिम तिथि 21 मार्च 2020 अंकित है। यानि तिथि पूरी तरह से गड़बड़ है। सवाल है कि उपयोग की अंतिम तिथि के बाद इस दूध का उत्पादन कैसे हो सकता है। शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में यह सवाल चर्चा का विषय बना है। शिक्षकों और अभिभावकों का कहना है कि एक्सपायरी दूध भेजना विद्यार्थियों की सेहत और सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है जिसकी जांच होनी ही चाहिए। दूध उत्पादन करने वाली कंपनी से मामले में वार्ता हुई है। प्रिंटिंग की गलती बताई गई है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। इस पूरे मामले की जांच के लिए उच्चाधिकारियों को लिखा गया है। –तरुण कुमार पंत, जिला शिक्षा अधिकारी, बेसिक, पिथौरागढ़

ओल्ड लंदन हाउस परिसर में भड़की आग, दुकान और गोदाम जला

– ओल्ड लंदन हाउस भवन में 55 दिन के बाद आग की ये दूसरी घटना

नैनीताल। दीपावली पर्व पर सोमवार रात मल्लीताल ओल्ड लंदन हाउस परिसर के प्रथम तल में स्थित फर्नीचर की दुकान और गोदाम में आग लगने से खलबली मच गई। रात ढाई बजे आग लगने से फर्नीचर के गोदाम में रखा सामान जलकर राख हो गया।

ओल्ड लंदन हाउस भवन में 55 दिन के बाद आग की दूसरी घटना ने मामले को संदिग्ध बना दिया है। अग्निशमन विभाग व पुलिस आग लगने के कारणों व नुकसान की पड़ताल में जुटी है। बीती 27 अगस्त को मल्लीताल क्षेत्र में स्थित ओल्ड लंदन हाउस में अग्निकांड के चलते 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। एक करोड़ से ज्यादा का नुकसान हुआ था। घटना की जांच अब तक पूरी भी नहीं हो पाई थी कि उसी भवन के ग्राउंड फ्लोर में स्थित गोविंद कन्नौजिया के कन्नौजिया फर्नीचर हाउस में आग लग गई। सोमवार देर रात ढाई बजे रात चौकीदार ने भवन में धुआं उठता देखा। उसने घटना की सूचना पास के दुकानदार को दी। दुकानदार ने अग्निशमन विभाग को सूचित किया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस और अग्निशमन की टीम ने लोगों के साथ मिलकर आग बुझाना शुरू किया। लगभग सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, तब तक गोदाम और दुकान में रखा फर्नीचर जलकर राख हो गया। फर्नीचर हाउस के स्वामी गोविंद कन्नौजिया ने बताया कि उनको रात ढाई बजे आग लगने की सूचना मिली थी। उन्होंने दावा किया कि आग लगने से गोदाम और दुकान में रखा 25 से 30 लाख का सामान जल गया। एफएसओ देवेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि पहले दो गाड़ियां पानी लेकर पहुंचीं। इसके बाद मौके पर मौजूद हाइड्रेंट से आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है। दुकान स्वामी गोविंद कन्नौजिया ने बताया कि दमकल विभाग ने समय से पहुंचकर आग पर काबू पाया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाली: कन्नौजिया फर्नीचर हाउस में आग लगने की घटना के बाद शहर में तमाम चर्चाएं हैं। हालांकि आग लगने के कारण का खुलासा भी नहीं हुआ है जिसके चलते मामला संदिग्ध बना हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल के समीपवर्ती प्रतिष्ठानों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज में रात दो बजे तक कुछ युवक सड़क पर पटाखे जलाते नजर आ रहे हैं। इसके बाद रोड पर सन्नाटा है।

मारपीट के आरोप में चार के खिलाफ केस दर्ज

रुद्रपुर। बस और कार की टक्कर के बाद हुई मारपीट के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिवाकर पुत्र दीनाराम निवासी ग्राम शिमला पिस्तौर, रुद्रपुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 अक्तूबर की रात करीब 11 बजे वह अपनी कार में दोस्त विवेक, सुशील, स्वदेश कुमार और अंकित तिवारी के साथ लालपुर से शिमला पिस्तौर जा रहा था। इसी दौरान आइडिया कॉलोनी लालपुर के सामने प्राइवेट बस चालक विक्की ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे उनकी कार बस से टकरा गई। आरोप लगाया कि बस चालक विक्की गाली–गलौज करते हुए मारपीट पर उतर आया और बस में आई खरोंच की मरम्मत का खर्चा मांगने लगा। विरोध करने पर विक्की ने अपने साथी मयंक अरोरा व अन्य दो को बुला लिया।

विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस पर बढ़ाई जागरूकता

देहरादून। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालन न विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस के अवसर पर हड्डियों के स्वास्थ्य, शीघ्र निदान और ऑस्टियोपोरोसिस से निपटने के लिए निवारक रणनीतियों के बारे में जागरूकता की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला। ऑस्टियोपोरोसिस हड्डियों को कमजोर करती है और फ्रैक्चर के जोखिम को बढ़ाती है।

मैक्स के ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, आथ्रीस्कोपी एवं स्पोर्ट्स इंजरी के निदेशक, डॉ. गौरव गुप्ता ने कहा कि ऑस्टियोपोरोसिस को अक्सर केवल बुजुर्गों की बीमारी समझा जाता है, लेकिन यह अलग–अलग उम्र और लिंग के लोगों को प्रभावित कर सकती है। खासकर रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाएं हामीनल बदलावों के कारण अधिक खतरे में रहती हैं, जिससे हड्डियों की मजबूती कम होने लगती है। हालांकि पुरुष भी इससे अछूते नहीं हैं। आनुवंशिक कारण, गलत खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, धूम्रपान, ज्यादा शराब का सेवन और कुछ दवाइयां या बीमारियां भी हड्डियों को कमजोर करती हैं। बढ़ती उम्र और निष्क्रिय जीवनशैली के साथ, ऑस्टियोपोरोसिस से जुड़ी हड्डी टूटने की घटनाएं खासकर कूल्हे, रीढ़ और कलाई की एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनती जा रही हैं। हड्डियों के स्वास्थ्य को जीवन भर प्राथमिकता दी जानी चाहिए, क्योंकि ऑस्टियोपोरोसिस अक्सर बिना किसी लक्षण के चुपचाप बढ़ता रहता है। जोखिम वाले लोगों के लिए प्रारंभिक जांच, विशेष रूप से बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) परीक्षण के माध्यम से महत्वपूर्ण है।

गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता में बंदी छोड़ दिवस पर 15 दिवसीय मेला शुरू

रुद्रपुर। गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब में दीपावली और बंदी छोड़ दिवस पर सोमवार से 15 दिवसीय मेला शुरू हो गया है। 20 अक्तूबर से धार्मिक दीवान में रागी, ढाढी, कविसरी जत्थे और कथावाचक गुरुओं की महिमा का गुणगान कर रहे हैं। मंगलवार को गुरुद्वारा भंडारा साहिब में श्री अकाल तख्त की मर्यादा के अनुसार अमृत संचार कार्यक्रम आयोजित किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली मेला अरदास के साथ शुरू हुआ। बाबा अलमस्त दीवान हॉल में धार्मिक जत्थों ने संगत को गुरवाणी से निहाल किया। मंगलवार को हजारों संगत ने पवित्र सरोवर में स्नान कर मत्था टेककर सुख–समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने श्री हरमिंदर साहिब दरबार में हाजिरी लगाकर पवित्र पंजा साहिब पर घी के दीपक जलाए और गुरु महाराज से सुख–शांति की अरदास की। गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी और डेरा कारसेवा की ओर से देश के विभिन्न राज्यों से आई संगत के लिए आवास और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। बंदी छोड़ दिवस और दीपावली मेले में भारी भीड़ जुटी। बाबा अलमस्त दीवान हॉल में पंथ के प्रसिद्ध भाई मनजिंदर सिंह, भाई बलवीर सिंह पारस, भाई मनवीर सिंह, भाई सुखपाल सिंह बीए, भाई गुरबाज सिंह, भाई गुरसेवक सिंह, कथावाचक भाई संतोख सिंह, भाई सुखवंत सिंह, भाई गुरभेज सिंह समेत देश के विभिन्न राज्यों से आए धार्मिक जत्थों ने संगत को गुरुवाणी से निहाल किया। श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा छठवीं पातशाही, भंडार साहिब, दूध वाला कुआं और लाल गुरु गुरुद्वारे में शीश नवाया। उन्होंने पवित्र बाउली साहिब और अजायब घर में सिखी के इतिहास का अवलोकन किया। संगत ने लंगर छक मेले में खरीदारी की। मेले की व्यवस्था में गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान जोगिंदर सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर गुरवंत सिंह सोनी, देवेंद्र सिंह, प्रकाश सिंह, गुरदयाल सिंह, कुलदीप सिंह पन्नू, सुखवंत सिंह पन्नू, प्रबंधक रणजीत सिंह, सुखवंत सिंह भुल्लर, रणजीत सिंह राणा शामिल रहे।

दीपावली महापर्व पर दिखा कोसी घाटी के किसानों को हुए नुकसान का असर

रुद्रपुर। कोसी घाटी के किसानों को खेतीबाड़ी में हुए नुकसान का असर दीपावली महापर्व पर साफ दिखा। तमाम गांवों के मध्य में स्थित गरमपानी खैरना बाजार क्षेत्र उम्मीद से बेहद कम खरीददार पहुंचे। बाजार में बेहद कम चहल पहल होने से कारोबारी मायूस हो गए। बिक्री को लाया गया सामान भी अधिकांश दुकानों में जस का तस रहा। व्यापारियों ने भी स्वीकार किया की कारोबार में मंदी छाई रही। मंगलवार को कोसी घाटी में दीपावली पर्व मनाया गया। बाजार के व्यापारी बेहतर बिक्री की उम्मीद लगाए हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर आदि क्षेत्रों से सामान खरीदकर लाए। दुकानों को विशेष तौर पर सजाया भी गया पर बेहतर बिक्री की उम्मीद धरी की धरी रह गई। गांवों से खरीददारों के ना पहुंचने से दुकानदारों के मायूसी हाथ लगी। कारोबार की मंदी के पीछे किसानों को खेतीबाड़ी में हुए नुकसान का बड़ा कारण माना गया। बीते दिनों हुई बारिश ने खेतों में धान, मंडवा समेत अन्य उपज चौपट कर दी यहां तक की गहत, मास, भट्ट आदि दालों को भी चौपट कर दिया।

अकादमी में पुलिस शहीद दिवस मनाया, शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अकादमी में पुलिस शहीद दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि उप महानिरीक्षक व उपनिदेशक आईटीबीपी अकादमी निशिथ चंद्र ने अकादमी परिसर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के वीर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान एक सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 तक देशभर में राज्य पुलिस बलों तथा केंद्रीय सशस्त्र बलों में कर्तव्य पालन के दौरान शहीदों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उप महानिरीक्षक व निदेशक आईटीबीपी निशिथ चंद्र ने कहा कि पुलिस शहीद दिवस के इस अवसर पर उन सभी वीर शहीदों को स्मरण करने के लिए एकत्र हुए हैं, जिन्होंने देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। वर्ष 1959 से 21 अक्टूबर को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सीमा की रक्षा करते हुए सीआरपीएफ के बहादुर जवानों पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया था। उस समय उस संघर्ष में भारत के दस वीर जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके इस अमर बलिदान की स्मृति में हर वर्ष 21 अक्तूबर को देशभर में पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024–25 में राज्य पुलिस बलों एंव केंद्री सशस्त्र पुलिस बलों के अनेक बहादुर अधिकारियों और जवानों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान देश की आंतरिक सुरक्षा एवं जनसेवा के लिए प्राण न्योछावर किए, उनको इस मौके पर स्मरण किया जा रहा है। उनके प्रति अपनी कृतज्ञता और श्रद्धांजलि व्यक्त की गई। साथ ही उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा, वीरता, और समर्पण से करने का संकल्प लिया गया। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल अकादमी परिवार के शहीदों के परिवार जनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उनके बलिदान को सदा स्मरण रखने का प्रण लिया गया।

डीएम ने की आला अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक

देहरादून। मुख्यमंत्री के आपदाग्रस्त क्षेत्र में भ्रमण के क्रम में जिलाधिकारी सविन बंसल ने आज आपदाग्रस्त क्षेत्र सेरागांव सहस्त्रधारा में जिले के आला अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक करते हुए संग ग्राउण्ड जीरो पर समीक्षा की। आपदा में क्षतिग्रस्त हुई विभिन्न विभागों की परियोजनाओं एवं सड़क आदि रेस्टोरेशन कार्य का फीडबैक लिया। डीएम ने सभी विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही तलब करते हुए विभागवार पुनर्निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित स्थानीय निवासियों, क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधियों से विस्तारपूर्वक निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी लेने के साथ ही क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कार्यों के आंगणन रह गए हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर लेटलांग लोकेशन के साथ एक सप्ताह के भीतर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को प्रस्तुत करें।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने आपदाग्रस्त क्षेत्र में राहत बचाव कार्यों की समीक्षा बैठक सेरागांव में की बैठक में आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त परियोजनाओं के पुनर्निर्माण कार्यों की विभागवार समीक्षा की गई। डीएम ने कार्लीगाड, मझेड़ा में बिजली, पानी, सड़क पुनर्निर्माण में तेजी लाने के अधिकारियों

को निर्देश दिए हैं डीएम पुनर्निर्माण कार्यों की निरंतर स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं। डीएम ने कहा कि मा0 सीएम के राज्य हित, आपदा न्यूनीकरण जिला प्रशासन के लिए सर्वोपरि है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि एक–एक प्रभावितों को राहत पंहुचाने तक विभागीय अधिकारी क्षेत्र में ही जमे रहेंगे तथा इसकी उनके द्वारा निरीक्षण के साथ ही निरंतर समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने कार्लीगाड़, मजेड़ा के विस्थापन हेतु उच्चस्तरीय सर्वे कार्य वॉडिया संस्थान, आईआईटी रूड़की की विशेषज्ञ टीम से कराने के निर्देश दिए। साथ ही भविष्य में आपदा के संभावित बड़े कारण को सर्वेक्षण अनुमान निरीक्षण के पश्चात नदी, गाढ गदेरों के मलबा से लाखों टन मलबा के डीएम ने स्वीकृति आदेश दिए है। मलगा निस्तारण हेतु लॉट चिन्हित किए गए है जिसके लिए आज विज्ञप्ति प्रकाशित करवाते हुए मानसून पूर्व मलबा निस्तारित किया जाएगा। प्रभावित परिवारों द्वारा मकान किराया बाजार दर पर दिए जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने आवश्यक कार्यवाही क निर्देश अपर जिलाधिकारी को दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री द्वारा विगत दिवस आपदाग्रस्त क्षेत्र का भ्रमण दौरान युद्धस्तरपर जनजीवन सामान्य बनाने के निर्देश दिए गए है। जिसके लिए जिला प्रशासन पूर्ण रूप से संकल्पबद्ध प्रत्येक कार्यों की उच्चस्तरीय मॉनिटरिंग की जा रही है। इस दौरान डीएम ने मौके पर पंचायत विभाग द्वारा निर्मित बाधित मोटर मार्ग सफाई कार्य मशीन द्वारा कराने हेतु लोनिवि को फंड स्वीकृत करने के साथ ही, पंचायत विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए आंतरिक पैदल रास्ते युद्धस्तर पर खोलने के निर्देश दिए जिसके लिए मौके पर ही फंड स्वीकृति की गई।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com